ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 322 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
28 मई 2026 गुरुवार

आज का मौसम
43.6 अधिकतम
30.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ट्विशा को चाहिए न्याय : पूर्व जज की अग्रिम जमानत रद्द होने के बाद हलचल तेज

गिरिबाला सिंह को हिरासत में लेकर पल-पल की जानकारी जुटाएगी सीबीआई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत आदेश रद्द होने के बाद पूर्व जज गिरिबाला सिंह की गिरफ्तारी का रास्ता साफ़ हो गया है। सूत्रों का कहना है कि इस मामले में पूछताछ के लिए पुलिस ने उन्हें तीन अलग - अलग नोटिस दिए थे लेकिन वे एक बार भी पूछताछ के लिए नहीं पहुंचीं। अब,जबकि मामला पूरी तरह से सीबीआई के पास आ चुका है तो केंद्रीय जांच एजेंसी दो रास्ते अपना सकती है। पहला ये कि गिरिबाला को गिरफ्तार कर रिमांड पर ले ले। या फिर औपचारिक गिरफ्तारी न करते हुए समन के माध्यम से बुलाकर पूछताछ करती रहे। हालांकि पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब तक आरोपी का जो बर्ताव रहा है उससे गिरफ्तारी की सम्भावना अधिक है।

इस मामले में अब तक दो बार मुख्य आरोपी ट्विशा के पति समर्थ सिंह को उसके घर ले जाकर क्राइम सीन देखा जा चुका है। इसी तरह अब गिरिबाला सिंह से भी घटना की रात की पल - पल की जानकारी उनके घर में ही हासिल की जाएगी। घटना की रात को लेकर अब तक समर्थ सिंह और गिरिबाला ने कई विरोधाभासी बातें कही हैं। ट्विशा की अपने माता- पिता से बात, फांसी लगाने और मौत की खबर देने का समय अपने आप में कई संदेह उत्पन्न कर रहा है। पुलिस डायरी में दर्ज टाइम शीट से यह भी सामने आ रहा है कि मौत की खबर ट्विशा के परिजनों को देने के 15 मिनट बाद उसे सीपीआर दिया गया। जांच का विषय है कि क्या सिर्फ सीसीटीवी फुटेज के लिए सीपीआर देने का सीन बनाया गया। बता दें कि ट्विशा शर्मा12 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थीं और 15 मई को इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर दर्ज होने के कुछ ही घंटों के भीतर भोपाल की 10वीं अतिरिक्त सत्र अदालत ने गिरिबाला सिंह को अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी थी, जबकि उनके बेटे और ट्विशा के पति समर्थ सिंह फिलहाल सीबीआई हिरासत में हैं। जमानत रद्द करते हुए हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि गिरिबाला सिंह जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं कर रही थीं। अदालत ने ट्विशा की गर्भावस्था और उसके समाप्त किए जाने के पहलू पर भी टिप्पणी की। दो महीने के भीतर गर्भपात कराया गया। अदालत ने कहा कि व्हाट्सएप चैट से यह नहीं कहा जा सकता कि आरोप केवल पति समर्थ सिंह के खिलाफ थे, गिरिबाला के नहीं। ट्रायल कोर्ट ने इस पहलू पर पर्याप्त विचार नहीं किया।

बेटे समर्थ को सामने बिठाकर होगी मौत के रहस्य की पड़ताल

आज फिर घटना स्थल पर पहुंची सीबीआई की टीम

सीबीआई की टीम आज फिर गिरिबाला सिंह के बागमुगालिया स्थित घर पहुंची, जहां पूछताछ के साथ-साथ साक्ष्यों की गहन छानबीन की जा रही है।सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी घर में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दस्तावेजों और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच कर रही है। वहीं, मामले में मुख्य आरोपित समर्थ सिंह से जुड़े तथ्यों का भी मिलान किया जा रहा है। सीबीआई पहले ही समर्थ सिंह के मोबाइल फोन, लैपटॉप और कॉल डिटेल रिकॉर्ड अपने कब्जे में लेकर उनकी फॉरेंसिक जांच शुरू कर चुकी है। अब एजेंसी घटना से पहले और बाद की परिस्थितियों को जोड़कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां तलाश रही है।

फारो फोकस स्कैनर का हो रहा है उपयोग

बताया जा रहा है कि घर की जांच में फारो फोकस थर्मल स्कैनर मशीन का उपयोग किया जा रहा है। यह मशीन किसी भी स्थान का बेहद सटीक डिजिटल मैप और थर्मल इमेज तैयार करती है। सीबीआई की फॉरेंसिक टीम भी मौके पर मौजूद रही और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर घर के अलग-अलग हिस्सों की जांच करती दिखाई दी। इसी दौरान मामले में नया मोड़ तब आया जब समर्थ सिंह का चचेरा भाई स्वराज सिंह भी गिरिबाला सिंह के घर पहुंचा। सूत्रों के अनुसार सीबीआई ने स्वराज सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया था। ऐसा दावा है कि घर में लगे सीसीटीवी फुटेज में समर्थ सिंह और अन्य लोगों के साथ एक तीसरा व्यक्ति भी नजर आया था, जिसकी पहचान स्वराज सिंह के रूप में हुई है। अब जांच एजेंसी समर्थ सिंह और स्वराज सिंह का आमना-सामना कराकर पूछताछ करने की तैयारी में हैं।

कर्नाटक में डीके शिवकुमार की ताजपोशी तय

सिद्धारमैया ने ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद किया इस्तीफे का ऐलान

बेंगलुरु में सीएम आवास पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक-दूसरे को गले लगाया। इस दौरान शिवकुमार ने सिद्दरमैया के पैर भी छुए।

बेंगलुरु, एजेंसी

आज सुबह बेंगलुरु में सीएम आवास पर हुई ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने आवास पर आयोजित नाश्ते के दौरान अपने कैबिनेट सहयोगियों को अपने इस्तीफे के फैसले की जानकारी दी। मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे लोकभवन जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, पार्टी आलाकमान ने कथित तौर पर उनसे राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के लिए रास्ता बनाने को कहा था। जिसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है।

हालांकि, लोक भवन सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया की राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात होना तय नहीं है। राज्यपाल किसी निजी कारण की वजह से अपने गृह नगर इंदौर गए हुए हैं।

दिल्ली-हरियाणा समेत चार राज्यों में भाजपा के प्रदेश नए अध्यक्षों के नाम का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और त्रिपुरा में अपने प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए हैं। बदलाव के तहत दिल्ली की कमान पूर्वी दिल्ली से सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा को सौंपी गई है।

सरदार केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा पंजाब प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए ढिल्लों को सुनील जाखड़ की जगह राज्य में पार्टी को मजबूत करने की कमान सौंपी गई है। डॉ. अर्चना गुप्ता हरियाणा प्रदेश की नई अध्यक्ष होंगी। अभिषेक देबरॉय को त्रिपुरा का प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

न्यूज विंडो

गुजरात के गिर में चार शावकों की मौत, 17 शेर निगरानी में

भावनगर। गुजरात के गिर वन क्षेत्र में संदिग्ध संक्रमण के कारण चार शेर शावकों की मौत हो गई है, जबकि 17 वयस्क शेरों को एहतियातन अलग रखकर उनकी निगरानी और इलाज किया जा रहा है। - मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस मामले में गांधीनगर में उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में वन व पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव विनोद राव ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि गिर गढ़डा और बाबरिया क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी शेरों की गहन निगरानी की जा रही है। अब तक अन्य शेरों में बीमारी के कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं। अमरेली और भावनगर जिलों में मौजूद शेरों पर भी लगातार नजर रखी जा रही है और रोजाना रिपोर्ट ली जा रही है।

गंगा नदी में डूबी नाव, दो की मौत और पांच लापता

बाढ़ (पटना)। बाढ़ के उमानाथ गंगा घाट पर एक छोटे से नाव पर 14 से 15 लोग सवार होकर सब्जी तोड़ने के लिए गंगा के दियारा इलाके में जा रहे थे तभी दियारा पहुंचने से पहले तेज हवा के चलते नाव पलट गई। हादसे में सभी लोग गंगा नदी में समा गए। लेकिन शोर मचाए जाने से आसपास के नाव वालों ने सात लोगों को सकुशल निकाल लिया। वहीं सात लोगों की डूबने की खबर आ रही है जिसमें प्रयास करने पर एक महिला और एक युवक को मृत अवस्था में निकल गया। वहीं पांच लोगों की तलाश अभी चल रही है। हादसा क्यों हुआ इसे लेकर उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है।

आज का कार्टून

सुप्रीम कोर्ट जज के लिए चार नामों की सिफारिश

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाकर 38 करने के अध्यादेश जारी करने के 10 दिन बाद, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने चार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों शील नागू (पंजाब और हरियाणा), श्री चंद्रशेखर (मुंबई उच्च न्यायालय), संजीव सचदेवा (मध्य प्रदेश) और अरुण पल्ली (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) और वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। वी मोहना न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा के बाद बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने वाली दूसरी महिला बन जाएंगी।

ठाणे के कल्याण में बकरीद पर बवाल, फोर्स तैनात

कल्याण। महाराष्ट्र के ठाने जिले के कल्याण में बकरीद के मौके पर दुर्गाडी किले के बाहर बवाल होने की स्थिति बन गई। किले के परिसर में स्थित ईदगाह में इस दौरान नमाज अदा की जाती है, जिसके चलते प्रशासन की ओर से हर साल अस्थायी तौर पर हिंदू श्रद्धालुओं को किले के दुर्गा देवी मंदिर में प्रवेश करने से रोक दिया जाता है। वहीं, इस रोक को लेकर गुरुवार को शिवसेना और भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस और लोगों के बीच बवाल होने जैसी स्थिति बन गई। मालूम हो कि इसको लेकर हर साल विरोध की स्थिति बनती है और इस बार भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

अजमेर में हुआ दिल दहला देने वाला हादसा

मां को अस्पताल ले जाते समय कार में लगी भीषण आग, 4 जिंदा जले

अजमेर, एजेंसी

अजमेर जिले के श्रीरामपुरा गांव में सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। एक कार में अचानक भीषण आग लगने से जिंदा जलकर चार लोगों की मौत हो गई। पूर्व सरपंच, उनकी पत्नी और भांजी सहित तीन लोगों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं, हादसे में गंभीर रूप से झुलसीं जिला परिषद सदस्य ने भी दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार , श्रीरामपुरा गांव निवासी पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी अपनी मां और जिला परिषद सदस्य पूसी देवी को सीने में दर्द की शिकायत होने पर अस्पताल ले जा रहे थे। सुबह करीब 5:30 बजे वे अपनी कार से निकले थे। गाड़ी में रामसिंह चौधरी के साथ उनकी पत्नी (पूर्व सरपंच) सुरज्ञान देवी और उनकी भांजी महिमा भी सवार थीं।

गांव से कुछ ही दूरी पर श्रीरामपुरा के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। हादसा इतना भयावह था कि कार के दरवाजे नहीं खुलने के कारण रामसिंह चौधरी, उनकी पत्नी सुरज्ञान देवी और भांजी महिमा गाड़ी के भीतर ही फंस गए। तीनों की मौके पर ही जिंदा जलने से मौत हो गई। कार में सवार रामसिंह की मां पूसी देवी को किसी तरह गाड़ी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक वे 60 प्रतिशत से अधिक झुलस चुकी थीं और उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

मिड टर्म चुनाव की परवाह नहीं...

ट्रम्प बोले- होर्मुज पर किसी का भी कंट्रोल नहीं रहेगा, ओमान को उड़ाने की धमकी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस कथित प्रस्ताव को खारिज कर दिया है, जिसमें ओमान और ईरान मिलकर होर्मुज स्ट्रेट से गुज़रने वाले जहाजों पर टोल वसूलने की योजना पर चर्चा कर रहे थे। व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, 'ओमान को बाक़ियों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो हमें उन्हें तबाह कर देना पड़ेगा। ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी। ट्रम्प ने कहा कि हम इस पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे।

इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे, लेकिन अब तेहरान के पास समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा,

'ईरान को लगा था कि वे मुझे इंतजार करवाकर थका देंगे। उन्हें लगा कि मेरे सामने मिडटर्म चुनाव हैं, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। ईरान अब सिर्फ समझौता करना चाहता है।'

इससे पहले ईरान ने दावा किया था कि अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने के लिए शुरुआती समझौता ड्राफ्ट तैयार हुआ है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग बहाल करने और अमेरिकी सैन्य मौजूदगी घटाने का प्रस्ताव शामिल है। व्हाइट हाउस ने इस रिपोर्ट को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताया। अमेरिका ने कहा कि दोनों देशों के बीच अभी तक किसी भी तरह का आधिकारिक ड्राफ्ट तैयार नहीं हुआ है।

मेट्रो एंकर | तमिल फिल्म 'करुप्पु' पर दिए गए फैसले में अभिव्यक्ति की आजादी का बचाव

मद्रास हाईकोर्ट ने कहा- जज कोई पवित्र गाय नहीं.. जूडिशियरी में भी भ्रष्टाचार

चेन्नई, एजेंसी

न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। मद्रास हाईकोर्ट ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की पुष्टि करते हुए बड़ा बयान दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि यहां भी भ्रष्टाचार है और जज को किसी पवित्र गाय की तरह नहीं समझा जाना चाहिए। उल्लेखनीय होगा कि बीते दिनों एनसीईआरटी की किताबों में छपे न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के चेप्टर को लेकर बवाल मच गया था। खुद सुप्रीम कोर्ट ने इस अध्याय को शामिल किए जाने पर एनसीईआरटी की जमकर खिंचाई की थी और इसे तुरंत वापस लेने का आदेश दिया था। हालांकि अब खुद हाईकोर्ट ने इस बुराई को न केवल उभार दिया है बल्कि इसके मौजूद होने पर मुहर भी लगा दी है।

मद्रास हाईकोर्ट ने तमिल फिल्म 'करुप्पु' पर दिए गए फैसले में अभिव्यक्ति की आजादी का बचाव करते हुए कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को नकारा नहीं जा सकता। कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायपालिका अपने अंदर की काली भेड़ यानि अवांछनीय व्यक्तियों के खिलाफ नियमित रूप से कार्रवाई करती है। इस फील्ड में भ्रष्टाचार है से इंकार नहीं किया जा सकता। भ्रष्ट जज पहले भी थे और आज भी हैं। अदालत ने कहा कि यदि

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार या गलत आचरण के आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। केवल इसलिए किसी को संरक्षण नहीं दिया जा सकता क्योंकि वह न्यायिक पद पर है। कोर्ट ने यह भी माना कि न्यायपालिका में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि आमतौर पर न्यायपालिका पर सार्वजनिक रूप से ऐसी कड़ी टिप्पणियां कम देखने को मिलती हैं। कोर्ट का संदेश साफ माना जा रहा है कि जवाबदेही हर संस्था पर लागू होती है।

एनसीईआरटी ने मांगी थी बिना शर्त माफी

बता दें कि कुछ दिन पहले एनसीईआरटी ने अपनी कक्षा 8वीं की सामाजिक विज्ञान की किताबों में एक अध्याय जोड़ा था, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की बात कही गई थी। जैसे ही यह चैप्टर सामने आया, इस पर बवाल मच गया और खुद चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सीजेआई सूर्यकांत ने इसे न्यायपालिका की छवि खराब करने वाला और बच्चों के मन में नकारात्मकता पैदा करने वाला माना। जबकि एनसीईआरटी ने इस अध्याय में लंबित मामलों और पूर्व न्यायाधीशों के बयानों को भी शामिल किया था। यह मामला इतना बढ़ गया कि एनसीईआरटी को बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी और किताबों में से इस अध्याय को हटाना पड़ा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर किताब की सभी भौतिक प्रतियों और डिजिटल संस्करणों को भी हटाना पड़ा था।

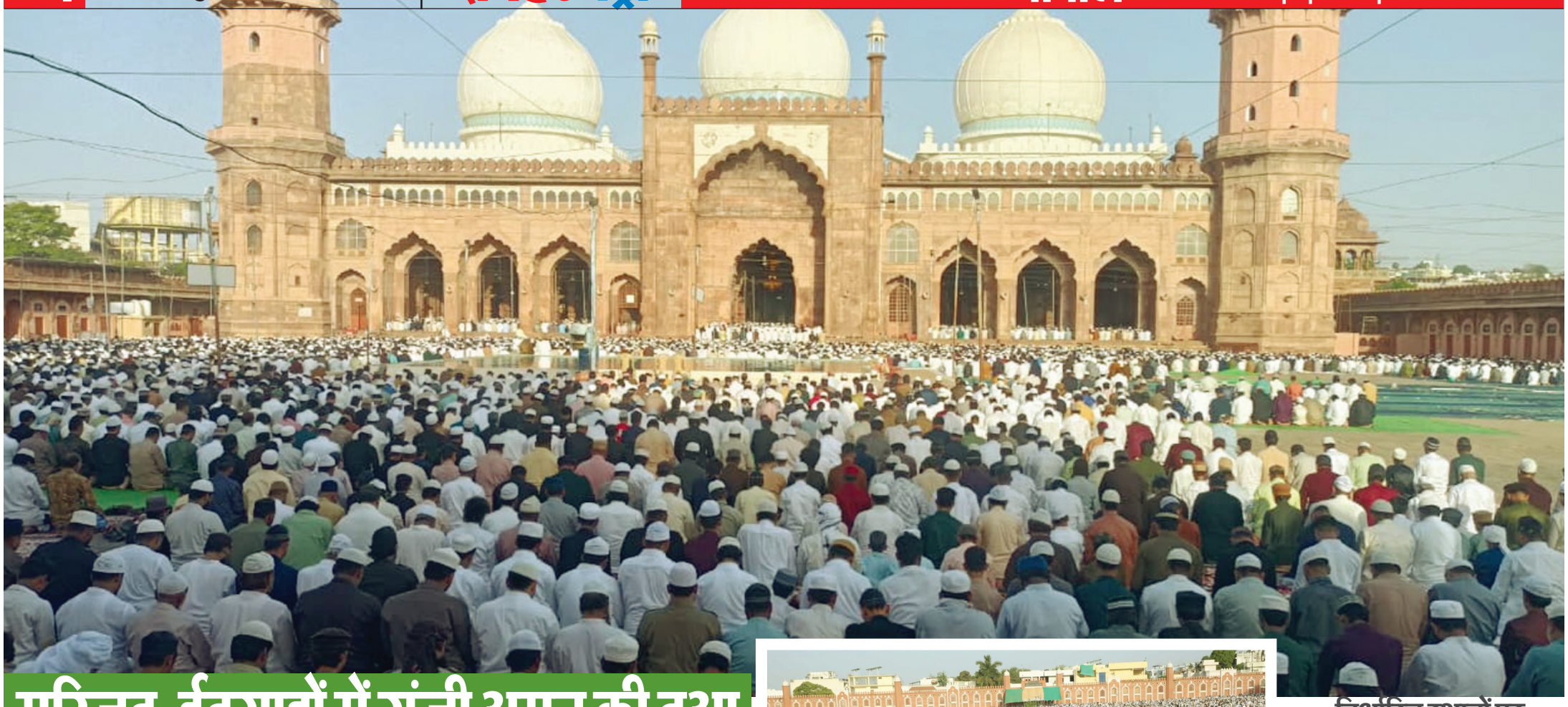

मस्जिद-ईदगाहों में गूंजी अमन की दुआ भोपाल में भाईचारे के साथ मनाई बकरीद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार आज श्रद्धा, उल्लास और भाईचारे के माहौल में मनाया जा रहा है। सुबह से ही ताज-उल-मसाजिद समेत शहर की 56 प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज के लिए अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी और देश, प्रदेश तथा शहर में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। राजधानी की सबसे बड़ी मस्जिद ताज-उल-मसाजिद में विशेष नमाज और दुआ का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। नमाज के बाद इमाम ने समाज में एकता, भाईचारे और इंसाफ कायम रहने की दुआ कराई। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की मजबूती आपसी प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना से ही संभव है। दुआ में देश की सुरक्षा, प्रदेश की खुशहाली, युवाओं को रोजगार, बीमारों के स्वास्थ्य लाभ और जरूरतमंदों की परेशानियां दूर होने की भी कामना की गई।

कुर्बानी के वीडियो सोशल मीडिया पर न डालने की अपील

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड ने इस बार विशेष रूप से सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग पर जोर दिया है। बोर्ड ने लोगों से अपील की है कि कुर्बानी से जुड़े फोटो और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा न करें। धार्मिक आयोजनों की गरिमा बनाए रखने और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने के लिए यह अपील की गई है। बोर्ड का कहना है कि सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो साझा करने से अनावश्यक विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए सभी लोग संयम और समझदारी का परिचय दें।

त्योहार के साथ जिम्मेदारी निभाने का संदेश

बकरीद के मौके पर धार्मिक संगठनों और वक्फ बोर्ड ने लोगों से त्योहार को पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ मनाने की अपील की। कहा गया कि कुर्बानी की प्रक्रिया धार्मिक परंपराओं और प्रशासनिक नियमों के अनुरूप ही पूरी की जाए। लोगों से साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने और आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने का आग्रह किया गया।

निर्धारित स्थानों पर ही कुर्बानी के निर्देश

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार कुर्बानी केवल निर्धारित और चिन्हित स्थानों पर ही की जाएगी। ऐसे स्थानों को चारों ओर से ढंकने और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कुर्बानी के बाद अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से निपटान करने और नगर निगम के साथ समन्वय बनाकर साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सुरक्षा के रहे विशेष इंतजाम

बकरीद को लेकर राजधानी में प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की ओर से विशेष इंतजाम किए गए। प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी गई, जबकि सफाई दलों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया। नमाज के बाद लोगों ने बाजारों और रिश्तेदारों के घर पहुंचकर एक-दूसरे को त्योहार की शुभकामनाएं दीं।

साधारण घटना को असाधारण ढंग से प्रस्तुत करने का कौशल है लघुकथा -सुनीता प्रकाश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

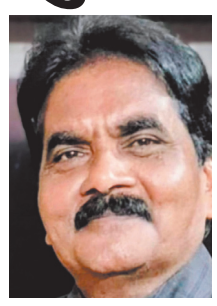

लघुकथा सृजन में गहरी संवेदना होती है यह साधारण घटना को आसाधारण ढंग से प्रस्तुत करने का कौशल है। नीता सैनी द्वारा प्रस्तुत लघुकथाओं में आम भारतीय परिवारों की व्यथा, स्त्री मन की पीड़ा, बुजुर्गों की उपेक्षा ग़रीबी का संघर्ष पूरे तेवर के साथ उभरकर सामने आता है। ' यह उदगार वरिष्ठ लघुकथाकार और समीक्षक श्रीमती सुनीता प्रकाश ने व्यक्त किये। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा आयोजित साप्ताहिक ऑन लाइन बुधवारीय लघुकथा गोष्ठी एवं विमर्श के आयोजन में लघुकथाकार श्रीमती नीता सैनी, द्वारा प्रस्तुत की गई लघुकथाओं पर मुख्य समीक्षक के रूप में बोल रही थी। कार्यकम की शुरुआत घनश्याम मैथिल अमृत, सचिव लघुकथा शोध केंद्र के स्वागत उदबोधन से हुए। अश्विनी देशपांडे के संचालन में लेखिका ने स्किन एलर्जी, फादर्स डे, बाबा की थकावट, मां का बरसाती वाला कमरा, मुस्कुराहट वाली चादर लघुकथाओं का प्रभावी पाठ किया, इन लघुकथाओं पर अपराजिता शर्मा, कांता रॉय, अनिल कुमार, अंजनागर्ग, डॉ. आदर्श प्रकाश, पूर्णिमा बर्मन ने अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणीयां प्रस्तुत कर आयोजन को सार्थक ऊंचाई प्रदान की, कार्यक्रम में देश और दुनिया के अनेक साहित्यकार उपस्थित थे कार्यक्रम के अंत में लेखिका ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए साइकिल अपनाने की पहल, लोक निर्माण अधिकारी बने प्रेरणा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लोक निर्माण विभाग सर्वे उपसंभाग चार इमली में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी एच.एन. त्रिपाठी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता और संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू की है। उन्होंने दैनिक कार्यों के लिए साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री मोदी की अपील, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन तथा विभागीय मंत्री राकेश सिंह के 'लोक निर्माण विभाग से लोक कल्याण की ओर' दिए गए संदेश से प्रेरित है। श्री त्रिपाठी ने बताया कि शासकीय वाहन का उपयोग केवल

लंबी दूरी एवं आवश्यक शासकीय कार्यों के लिए किया जाता है, जबकि सामान्य आवागमन के लिए साइकिल को प्राथमिकता दी जा रही है। उनका कहना है कि साइकिल चलाने से न केवल ईंधन की बचत होती है, बल्कि स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है और शरीर फिट रहता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 45 डिग्री तापमान के कारण कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन मौसम सामान्य होते ही यह पहल और प्रभावी रूप से जारी रहेगी। विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी इस पहल की सराहना की है और इसे पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक संदेश बताया है।

लावारिस कहकर शव की गरिमा भूले कर्मचारी! हमीदिया अस्पताल में पोस्टमार्टम का अमानवीय वीडियो वायरल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल का दंभ भरने वाले हमीदिया अस्पताल में बुधवार को जिम्मेदारों ने इंसानियत को तार-तार कर दिया। बजरिया थाना क्षेत्र में सोमवार को 50 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बुधवार को उसकी पहचान नहीं हो सकी तो बुधवार को कर्मचारियों ने पोस्टमार्टम के बाद शव को सिलाई किए बिना ही मॉर्च्यूरी के बाहर निकाल दिया। बिना कपड़ों के आधा घंटा शव स्ट्रेचर पर पड़ा रहा। जो काम भीतर होना था, वो सभी के सामने किया गया। शव की गरिमा को ताक पर रख दो कर्मचारी खुले आसमान के नीचे शव की सिलाई करते रहे। मीडिया ने पूछा तो कर्मचारियों ने कहा, शव

लावारिस है। इसका किसी से लेना-देना नहीं है। यह नजारा देख हर कोई हैरान था। राह चलते लोग भी इसे देख विचलित हो रहे थे लेकिन कर्मचारी लोगों की आवाजाही से उन्हें कोई फिक्र नहीं थी। वहां से बड़ी संख्या में मरीजों के साथ ही महिलाएं भी गुजरती हैं, लेकिन ऐसे हालातों में खुले में पोस्टमार्टम का का यह दृश्य विचलित करने वाला है। आप विचलित न हो, इसलिए इसका वीडियो और फोटो को हम ब्लर करके दिखा रहे हैं।राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रोटोकॉल के अनुसार प्राकृतिक आपदा, महामारी, सामूहिक दुर्घटना, युद्ध जैसी स्थिति या दूरस्थ क्षेत्रों में मॉर्च्यूरी का अभाव होने पर खुले में पोस्टमार्टम किया जा सकता है। लेकिन इसमें भी गोपनीयता, वैज्ञानिक प्रक्रिया, वीडियोग्राफी, संक्रमण नियंत्रण और शव की गरिमा रखना जरूरी है। लेकिन हमीदिया में ऐसी कोई स्थिति नहीं थी।

यहां पहले भी शर्मसार हो चुकी मानवता

- **29 मई 2017:** गाडरवारा सरकारी अस्पताल में 14 साल की किशोरी का खुले आसमान के नीचे पीएम किया। जांच में स्वास्थ्य विभाग ने लापरवाही पाई।
- **26 सितंबर 2018:** राजस्थान के गडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम हाउस न होने से दो महिलाओं के शव का पीएम सड़क किनारे खुले में किया। इसमें जांच के आदेश हुए थे।

ये है नियम

पोस्टमार्टम कक्ष के अंदर ही पीएम और शव की सिलाई होनी चाहिए। यह डॉक्टरों की निगरानी में ही। मृतक के देह के सम्मान से कोई समझौता नहीं हो।

छात्र ने रूम पार्टनर के सीने में घोपा चाकू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ऑनलाइन मोबाइल गेम में हारने से गुस्साए एक बीटेक छात्र ने अपने रूम पार्टनर पर चाकू से हमला कर दिया। दोनों छात्र सुबह करीब पांच बजे मोबाइल गेम खेल रहे थे। इस दौरान एक छात्र लगातार दूसरे छात्र को हरा रहा था। बार-बार हार से परेशान छात्र ने अपने रूम पार्टनर से विवाद किया।

वहीं उसके विरोध के बाद आरोपित छात्र भड़क गया और उसके सीने पर चाकू से जोरदार हमला कर दिया। तभी वहां मौजूद उनके दो अन्य दोस्तों ने बीच-बचाव किया। दो दोस्त घायल को आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां वह गंभीर हालत में भर्ती है। शिकायत पर एमपी नगर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपित छात्र फरार है। एमपी नगर थाना पुलिस के अनुसार रीवा निवासी शिवेंद्र त्रिपाठी (22) भोपाल में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। वह रातीबड़ स्थित आईईएस कॉलेज में बीटेक का छात्र है। शिवेंद्र जोन-2 स्थित अलंकार होटल के पास किराए के मकान में अपने दोस्तों वंश, ओम द्विवेदी और लोकमणि त्रिपाठी के साथ रहता है। ये सभी छात्र भी इसी कॉलेज में पढ़ाई करते हैं। करीब पांच बजे सभी छात्र खाना खाने के बाद मोबाइल पर गेम खेल रहे थे। खेल के दौरान लोकमणि लगातार हार रहा था। उसने शिवेंद्र पर चीटिंग का आरोप लगाया, जिससे विवाद बढ़ गया। गुस्से में आकर उसने चाकू निकाल लिया और शिवेंद्र के सीने व हाथ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। ओम व वंश ने किसी तरह से शिवेंद्र की जान बचाई। वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया।

भोपाल में सरकारी नाले पर अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा एक्शन, कॉलोनियों के पक्के निर्माणों पर चला बुलडोजर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में शासकीय भूमि पर लोगों द्वारा कब्जा कर निर्माण कर लिए जाते हैं, लेकिन इसकी भनक जिम्मेदार राजस्व अमले को नहीं लगती है। जब तक राजस्व अमले को पता चलता है तब तक यहां बड़े और पक्के निर्माण कर लिए जाते हैं। ऐसा ही मामला संत हिरदाराम नगर वृत्त में बुधवार को सामने आया है, जहां पर एक शासकीय नाले पर लोगों ने अतिक्रमण कर बड़े व पक्के निर्माण कर लिए हैं। अब प्रशासन द्वारा सीमांकन कर नाले की सीमा तय की जा रही है और आने वाले सभी अतिक्रमणों को जमींदोज किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार संत हिरदाराम नगर वृत्त के ग्राम लाऊखेड़ी में शासकीय नाला स्थित है। जिसका प्रशासन द्वारा सीमांकन करवाया जा रहा है, इस दौरान नाले पर सद्भावना परिसर कॉलोनी सहित अन्य कॉलोनियों की बाउंड्रीवाल, पिलर, शेड सहित अन्य निर्माण चिह्नित किए जा रहे हैं।

पहले दिन ढहाई गई बाउंड्रीवाल 10 दिन तक चलेगी कार्रवाई

तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह ने बताया कि पहले दिन सीमांकन के दौरान नाले पर अवैध कब्जा कर बनाई गई बाउंड्रीवाल को चिह्नित किया गया था। जिसे नगर निगम अमले की मदद से बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया है। शासकीय नाले का सीमांकन किया जा रहा है, जो कि करीब आठ से दस दिन तक चलेगा। इस दौरान जितने भी अतिक्रमण नाले पर मिलेंगे, उन्हें निगम अमले की मदद से तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर अयोध्या बायपास को 10 लेन बनाने उजड़ेगी हरियाली, NGT दे चुका है परमिशन

भोपाल में 7,871 पेड़ों को श्रद्धांजलि देने जुटेंगे लोग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के 10 लेन अयोध्या बायपास प्रोजेक्ट में कटने जा रहे कुल 7,871 पेड़ों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे। इस दौरान वे फूल अर्पित करके पेड़ों को कटने का मौन रूप से विरोध जताएंगे। पेड़ों को श्रद्धांजलि देने के लिए शाम 5 बजे का समय तय किया गया है। बता दें कि पिछले सप्ताह नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल ने अयोध्या बायपास प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी थी। आदेश मिलते ही हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के जरिए ठेकेदार ने पेड़ काटने शुरू कर दिए। अब तक सैकड़ों पेड़ काटे जा चुके हैं। इसके चलते अब पर्यावरणविद् बड़े स्तर पर आंदोलन करने की रणनीति बना रहे हैं। शुरुआत आज से होगी। पर्यावरणविद् उमाशंकर तिवारी ने बताया कि हरियाली बचाने के लिए कई दिन तक आंदोलन किया था। अनुमति मिलने के बाद फिर से पेड़ काटे जाने लगे हैं। इसे लेकर फिर से अपना पक्ष रखेंगे। ताकि, सालों पुराने पेड़ बचाए जा सके। बता दें कि

रत्नागिरि तिराहे से आसाराम तिराहे तक सड़क किनारे कई जगहों पर मशीनों से पेड़ काटे जा रहे हैं। अधिकांश पेड़ काटे जा चुके हैं। कुल 836 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट के तहत अयोध्या बायपास को सर्विस रोड सहित 10 लेन बनाया जाना है। इसके लिए कुल 7,871 पेड़ों की कटाई प्रस्तावित है। हालांकि, पर्यावरणविद् का मानना है कि कागजों में पेड़ों की संख्या कम बताई गई है, लेकिन हकीकत में यह 10 हजार से अधिक है।

शर्तों के साथ दी अनुमति

एनजीटी ने दो दिन पहले पर्यावरणीय शर्तों के साथ प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की अनुमति दी थी। जिसके बाद अब जमीनी स्तर पर कार्रवाई तेज हो गई है। पेड़ों की कटाई के साथ ही पूरे बायपास पर निर्माण गतिविधियां भी बढ़ गई हैं। सड़क के कई हिस्सों में बैरिकेड लगाकर लेन संकरी कर दी गई है। रत्नागिरि तिराहे से आसाराम तिराहे तक लगभग हर 100 से 200 मीटर पर डायवर्जन बनाए गए हैं। इससे इस मार्ग से रोज गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

6 जून को मध्य प्रदेश आएंगे पीएम मोदी

गाडरवाड़ा को देंगे 1600 MW बिजली परियोजना का तोहफा

परियोजना से प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता और रोजगार में बढ़ोतरी की उम्मीद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जून को नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा पहुंचेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वे यहां स्थित एनटीपीसी सुपर थर्मल पावर स्टेशन की विस्तार परियोजना का भूमिपूजन कर सकते हैं।

गाडरवाड़ा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के विस्तार के तहत 1600 मेगावाट क्षमता की दो नई इकाइयां (2×800 मेगावाट) स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। इस परियोजना से मध्य प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी होगी और औद्योगिक व घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

सीएम ने किया था अनुरोध

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर गाडरवाड़ा परियोजना के भूमिपूजन का अनुरोध किया था। इसके बाद प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। परियोजना को प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

सिंहस्थ से पहले होंगे करोड़ों रुपए के विकास कार्य

मालवा-निमाड़ के पर्यटन स्थलों की बदलेगी सूरत

इंदौर, दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ-2028 के भव्य आयोजन को लेकर राज्य सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। हालांकि सरकार का मुख्य फोकस उज्जैन पर केंद्रित है, लेकिन आगामी सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए इंदौर, ओंकारेश्वर, महेश्वर और आसपास के धार्मिक और पर्यटक स्थलों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का अनुमान है कि उज्जैन के साथ-साथ इन तीनों शहरों में भी श्रद्धालुओं का सर्वाधिक दबाव रहेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए चारों शहरों को आपस में जोड़ते हुए एक विशेष योजना बनाई जा रही है, जहां यात्री सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे।

ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया मप्र छग चैप्टर के चेयरमैन हेमेंद्र सिंह जादौन ने कहा कि सिंहस्थ के समय लाखों श्रद्धालु इंदौर, उज्जैन से लेकर ओंकारेश्वर के बीच रुकेंगे। मप्र के लिए यह धार्मिक पर्यटन के लिहाज से बहुत बड़ा मौका होगा। सरकार और प्रशासन इस पर लगातार बैठकें कर रहा है और कई बैठकों में हमें भी आमंत्रित किया गया है। सरकार का फोकस इस बात पर है कि सिंहस्थ के लिए मप्र आने वाले श्रद्धालु उज्जैन से लेकर इंदौर, ओंकारेश्वर और अन्य कई जगहों पर भी आरामदायक यात्रा कर सकें। इसी बात को ध्यान में रखते हुए ही सभी योजनाएं बनाई जा रही हैं।

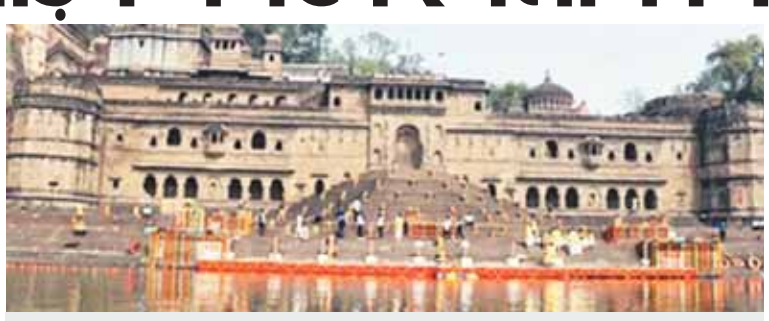

एकीकृत मॉडल पर खर्च होंगे करोड़ों रुपए

राज्य सरकार मालवा-निमाड़ क्षेत्र को धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के एक बड़े और एकीकृत मॉडल के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर और महेश्वर को समाहित करने वाले इस ओंकार सर्किट के विकास पर लगभग 70 करोड़ रुपए खर्च किए जाने का प्रावधान किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुख्य उद्देश्य सिंहस्थ के अवसर पर देश और विदेशों से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी, सुलभ आवास और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है। संबंधित विभाग ने इस पूरी योजना को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

पर्यटक केंद्रों पर मिलेंगी आधुनिक और डिजिटल सुविधाएं

ओंकार सर्किट योजना के अंतर्गत इन चारों प्रमुख धार्मिक नगरों में सर्वसुविधायुक्त यात्री सुविधा और सूचना केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर आने वाले यात्रियों को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से विभिन्न धार्मिक स्थलों का अनूठा अनुभव कराया जाएगा। पर्यटक सूचना केंद्रों में मुख्य रूप से फूड कोर्ट, किचन, डिजिटल वीआर रूम, सूचना डेस्क, प्रतीक्षालय और डोरमेट्री जैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके साथ ही पर्यटक सुविधा केंद्रों में रिसेप्शन, फैमिली वेटिंग रूम, कॉन्फ्रेंस हॉल, जनसुविधा केंद्र, पार्किंग और एआर-वीआर आधारित विशेष अनुभव कक्ष तैयार होंगे। लंबी दूरी तय करके आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए प्रमुख मार्गों पर वे-साइड एमीनिटीज भी विकसित की जाएंगी।

अवैध खनन मामला: सुप्रीम कोर्ट ने फिर लगाई मप्र सरकार को फटकार, कहा-

बिना नंबर वाहनों से धड़ल्ले से हो रहा रेत परिवहन 6 महीने में सीसीटीवी कैमरे लगाने के दिए निर्देश

मुरैना, दोपहर मेट्रो

मुरैना राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य में अवैध रेत खनन और बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार समेत राजस्थान और उत्तरप्रदेश सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए राज्यों की कार्रवाई अभी भी नाकाफी है और बिना नंबर प्लेट वाले वाहन खुलेआम रेत परिवहन कर रहे हैं। कोर्ट ने 6 महीने के भीतर निगरानी तंत्र विकसित करने, सीसीटीवी कैमरे लगाने और अवैध खनन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की जब्ती के निर्देश दिए हैं।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने 20 मई की सुनवाई के बाद 26 मई को विस्तृत आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन केवल कानून उल्लंघन का मामला नहीं, बल्कि पर्यावरणीय विनाश, वन्यजीवों के आवास खत्म होने और संगठित अपराध का विषय बन चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि कई महत्वपूर्ण फैसले और कार्रवाई तब शुरू हुईं, जब वरिष्ठ अधिकारियों की व्यक्तिगत पेशी तय की गई। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन जैसे गंभीर मामलों में प्रशासनिक तंत्र की यह सुस्ती चिंताजनक है। कोर्ट ने organized illegal mining network शब्द इस्तेमाल किया, यानी इसे सिर्फ छोटे स्तर का अवैध खनन नहीं माना गया। जो पर्यावरण, वन्यजीव और कानून व्यवस्था तीनों के लिए खतरा बन चुका है। कोर्ट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल कोर्ट के दबाव में होने वाली औपचारिक कार्रवाई नहीं हो सकती, यह राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

मीडिया रिपोर्ट पर लिया संज्ञान, सरकार से मांगा जवाब

सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी निखिल गोयल ने कोर्ट के सामने एक मीडिया रिपोर्ट रखी। इसमें बताया गया था कि कोर्ट के पुराने आदेशों के बावजूद मुरैना जिले सहित चंबल किनारे के इलाकों में अवैध खनन और रेत परिवहन जारी है। रिपोर्ट में बिना नंबर और बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के इस्तेमाल का भी जिक्र था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मध्यप्रदेश में इस साल के शुरुआती 5 महीनों में 250 से ज्यादा वाहन बिना वैध रजिस्ट्रेशन के पकड़े गए, लेकिन केवल 5 हजार रुपए तक का जुर्माना लेकर उन्हें छोड़ दिया गया। कोर्ट ने कहा कि इससे अवैध खनन नेटवर्क पर कोई असर नहीं पड़ता और अपराधी इसे ऑपरेशन कॉस्ट की तरह लेते हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसे वाहनों को तुरंत जब्त किया जाए और वाहन मालिक, फाइनेंसर, ऑपरेटर और पूरे नेटवर्क के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई हो। कोर्ट ने राज्यों को डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और बार-बार पकड़े जाने वाले वाहनों की निगरानी के भी निर्देश दिए हैं।

एनएच-44 पुल पर मंडराया खतरा

कोर्ट ने मुरैना-धौलपुर बॉर्डर स्थित नेशनल हाईवे-44 के पुल के आसपास हो रहे अवैध उत्खनन पर भी गंभीर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि पुल के पास और कुछ जगहों पर उसके पिलरों के नीचे तक खुदाई की जा रही है, जिससे पुल की संरचनात्मक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। एनएचएआई को निर्देश दिए गए हैं कि पुल के आसपास 1 किलोमीटर अपस्ट्रीम और 500 मीटर डाउनस्ट्रीम तक हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इन कैमरों की लाइव फीड पुलिस और वन विभाग को भी उपलब्ध कराई जाएगी।

चंबल नदी में कचरा फेंकने पर भी सख्ती

कोर्ट ने पाया कि एनएच-44 पुल से बड़ी मात्रा में कचरा चंबल नदी में फेंका जा रहा है, जिससे घड़ियाल, मगरमच्छ और अन्य जलीय जीव प्रभावित हो रहे हैं। कोर्ट ने पुल पर सुरक्षात्मक जाली लगाने, सभी गैप बंद करने और नदी में कचरा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने पर जोर

कोर्ट ने राज्यों से कहा कि अवैध खनन में स्थानीय युवाओं की भागीदारी कम करने के लिए उन्हें वैकल्पिक रोजगार और कौशल विकास योजनाओं से जोड़ा जाए। कोर्ट ने इको-टूरिज्म, संरक्षण और पर्यावरणीय गतिविधियों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया।

हर दो महीने में देनी होगी रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के मुख्य सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे हर दो महीने में समीक्षा बैठक करें और कोर्ट में प्रगति रिपोर्ट पेश करें। साथ ही जल शक्ति मंत्रालय और केंद्रीय जल आयोग को भी पक्षकार बनाते हुए चंबल नदी के पर्यावरणीय प्रवाह बनाए रखने पर जवाब मांगा गया है।

एसआईआर की कानूनी मंजूरी पर बोले दिग्विजय

सुप्रीम कोर्ट की मुहर भी मोदी सरकार की मंशा पर खत्म नहीं करती सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्यसभा सदस्य एवं मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कानूनी मंजूरी पहली नजर में वैधता दे सकती है, लेकिन इससे प्रक्रिया लागू करने में मौजूद मोदी सरकार की दुर्भावना समाप्त नहीं हो जाती। दिग्विजय सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने बिना किसी उचित कारण के एसआईआर प्रक्रिया को जल्दबाजी में आगे बढ़ाया। पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य पहले मतदाताओं के नाम हटाना और बाद में सवाल पूछना था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह जल्दबाजी इतनी गंभीर थी कि स्वयं सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर सुरक्षा उपाय लागू करने पड़े।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में मोदी सरकार अपनी विफल शासन व्यवस्था को लेकर भारी जनआक्रोश का सामना कर रही है। निष्पक्ष मुकाबले में मतदाताओं का सामना करने में असमर्थ सरकार अब यह तय करने की कोशिश कर रही है कि कौन वोट दे सकता है और कौन नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों में हेरफेर कर राजनीतिक संतुलन अपने पक्ष में करने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनिंदा मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे

दिग्विजय सिंह ने कहा कि बंगाल हो या बिहार, हर जगह एक जैसी स्थिति देखने को मिल रही है। बड़ी संख्या में चुनिंदा मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और फिर उन्हें ऐसी अपील प्रक्रिया से गुजरने को मजबूर किया जा रहा है, जो मनमानी और अंततः निरर्थक साबित होती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कानून के प्रश्न पर फैसला दिया है, लेकिन उससे सम्मानपूर्वक असहमति जताई जा सकती है।

पूरी प्रक्रिया खामियों से भरी हुई

उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ही चुनाव आयोग को हटाए गए मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करने का निर्देश दिया। साथ ही नाम हटाने के कारण प्रकाशित करने और आधार कार्ड को स्वीकार करने के लिए भी कहा गया, जबकि चुनाव आयोग शुरुआत में इससे इनकार कर रहा था। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया खामियों से भरी हुई और दुर्भावनापूर्ण मंशा पर आधारित थी। कानूनी मंजूरी मिलने के बावजूद इसके क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल बने हुए हैं।

महंगाई की पड़ेगी मार

पार्सल भाड़ा 20 प्रतिशत बढ़ेगा दवाई, किराना और कृषि सामग्री भी होगी महंगी, एक जून से बढ़ोतरी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतों का असर आमजन की जेब के साथ ही रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी पढ़ने वाला है, क्योंकि पार्सल ट्रांसपोर्ट कारोबारियों ने एक जून से माल परिवहन भाड़े में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। इंदौर से प्रतिदिन 3000 हजार ट्रक माल लोडिंग होकर प्रदेश के साथ ही देशभर में जाता है। भाड़ा बढ़ने से इनमें जाने वाली दवाई, किराना, हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक और कृष सामग्री महंगी हो जाएगी। जिसका असर आम उपभोक्ता की जेब पर पढ़ेगा।

एसोसिएशन आफ पार्सल ट्रांसपोर्ट एवं फ्लीट ऑनर, इंदौर द्वारा डीजल, लेबर और बढ़ती परिचालन लागत का हवाला देते हुए एक जून से परिवहन भाड़े में 20 प्रतिशत वृद्धि करने का निर्णय लिया है। शहर के छह सौ से अधिक पार्सल बुकिंग आपरेटर और ट्रांसपोर्टर जून से बढ़ी दरों पर बुकिंग करेंगे। इसका सीधा असर रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं की कीमतों पर पढ़ने की आशंका जताई जा रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी का कहना है कि डीजल कीमतों के अलावा लेबर लागत, टायर-स्पेयर पार्ट्स, टोल टैक्स, बीमा और वाहन रखरखाव खर्च में वृद्धि के कारण परिवहन पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में पुरानी दरों पर सेवाएं जारी रखना व्यवहारिक नहीं रह गया था। एसोसिएशन के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि नई दरें सभी कंपनियों, डिपो, सी एंड एफ एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर और व्यापारिक संस्थानों पर लागू होंगी।जून से बनने वाले बिल और एलआर (लारी रिसीट) संशोधित दरों के अनुसार ही जारी किए जाएंगे।

ऐसे समझे दरों में बढ़ोतरी का असर

उदाहरण के तौर पर इंदौर से भोपाल तक किसी सामान का पार्सल भाड़ा 200 रुपये प्रति क्विंटल है, वह जून से 240 हो जाएगा।इसी तरह रतलाम का वर्तमान भाड़ा 150 रुपये है वह बढ़कर 185 रुपये प्रति क्विंटल करीब पहुंच जाएगा।वहीं जबलपुर का भाड़ा 320 से बढ़कर करीब 380 रुपये प्रति क्विंटल हो जाएगा।इंदौर से महाराष्ट्र माल भेजने में वर्तमान में 3.50 रुपये प्रति किलों खर्च आता है, लेकिन यह बढ़कर 4.20 रुपये प्रति किलों हो जाएगा।

एमपी में शराब दुकानों पर सख्ती बढ़ी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत शराब दुकानों और अवैध गतिविधियों पर सख्ती बढ़ाने का फैसला किया है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेशभर में आबकारी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि शराब दुकानों पर ओवर रेटिंग, तय समय के बाद बिक्री और अवैध रूप से संचालित शॉप बार जैसी गतिविधियों के खिलाफ राज्यव्यापी विशेष अभियान चलाया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले मदिरा ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

निजी अस्पतालों को जोड़ने का प्रस्ताव भी शासन को भेजा जाएगा

भोपाल , दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मियों और उनके आश्रितों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा के लिहाज से एक बेहद राहत भरी खबर है। अब ड्यूटी के दौरान घायल होने वाले या कैंसर, किडनी-लीवर ट्रांसप्लांट जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे पुलिसकर्मियों को %पुलिस स्वास्थ्य सुरक्षा योजना% के तहत अधिकतम 14 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता मिल सकेगी।

इस नए बदलाव के तहत न केवल सहायता राशि की सीमा को बढ़ाया गया है, बल्कि हार्ट अटैक या गंभीर सड़क दुर्घटना जैसी आपातकालीन स्थितियों में गैर-अनुबंधित या गैर-मान्यता प्राप्त निजी अस्पतालों में भी मरीज के स्थिर होने तक कैशलेस इलाज की विशेष सुविधा दी गई है।

मप्र में पुलिसकर्मियों के लिए राहत की खबर

अब कोमा, पैरालिसिस और हार्ट अटैक पर भी मिलेगी 14 लाख रु. की सहायता

अभी प्रदेश के अंदर 55 और प्रदेश के बाहर चार निजी चिकित्सालयों सहित कुल 59 अस्पतालों से योजना अंतर्गत अनुबंध किया गया है। यह निर्णय यह भी लिया गया कि आकस्मिक परिस्थितियों, विशेष रूप से हार्ट अटैक एवं गंभीर सड़क दुर्घटना जैसी जानलेवा स्थितियों में यदि उपचार गैर-अनुबंधित अथवा गैर-मान्यता प्राप्त निजी अस्पताल में प्रारंभ करना पड़े, तो मरीज के स्थिर (स्टेबल) होने तक वहां

गंभीर मामलों में मिलेगी इलाज की सुविधा

बैठक में यह तय किया गया है कि कानून-व्यवस्था ड्यूटी, अपराध विवेचना के दौरान हिंसा, पुलिस वाहन अथवा किराये के पुलिस वाहनों की दुर्घटना में घायल पुलिसकर्मियों सहित कैंसर, किडनी एवं लीवर ट्रांसप्लांट, ओपन हार्ट सर्जरी जैसे गंभीर उपचार मामलों में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के बाद शेष राशि का भुगतान पीएचपीएस निधि से किया जाए।

दोपहर मेट्रो भोपाल की बेटी का उत्तरी अमेरिका के सबसे ऊंचे ज्वालामुखी पर चढ़ाई का लक्ष्य, ऊंचाई- 5636 मीटर

मैक्सिको के 'पिको डी ओरिजाबा' पर तिरंगा फहराएगी ज्योति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय पर्वतारोहण जगत के लिए गर्व का एक और मौका आने वाला है। देश की जानी-मानी पर्वतारोही ज्योति रात्रे अब अपने अगले बड़े अंतरराष्ट्रीय अभियान पर निकलने जा रही हैं। उनका लक्ष्य मैक्सिको स्थित पिको डी ओरिजाबा शिखर है, जो 5,636 मीटर (18,491 फीट) की ऊंचाई के साथ उत्तरी अमेरिका का सबसे ऊंचा ज्वालामुखी माना जाता है। ज्योति रात्रे भोपाल की भारतीय पर्वतारोही हैं।

बर्फ से ढके इस विशाल ज्वालामुखी पर चढ़ाई को दुनिया के सबसे कठिन अभियानों में गिना जाता है। अत्यधिक ऊंचाई, जमा देने वाली ठंड, तेज हवाएं और खड़ी बर्फीली ढलानें इस मिशन को बेहद चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। ऐसे में यह अभियान ज्योति रात्रे की शारीरिक क्षमता के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता की भी कड़ी परीक्षा लेगा। सबसे खास बात यह है कि अब तक भारत की किसी महिला पर्वतारोही ने इस शिखर पर तिरंगा नहीं फहराया है। यदि ज्योति रात्रे इस मिशन में सफल होती हैं, तो यह भारतीय महिला पर्वतारोहण इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने वाला क्षण होगा।

ज्योति रात्रे इस अभियान को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं मानतीं, बल्कि इसे महिला सशक्तिकरण के संदेश से जोड़ती हैं। उनका कहना है कि यह मिशन खास तौर पर ग्रामीण भारत की महिलाओं को साहस, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करने का प्रयास है।

प्रस्थान से पहले ज्योति रात्रे ने कहा, ÷पर्वतारोहण हमें सिखाता है कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी शिखर असंभव नहीं होता। मैं चाहती हूं कि देश की हर महिला यह समझे कि सीमाएं वही होती हैं, जिन्हें हम खुद तय करते हैं। 55 वर्षीय ज्योति रात्रे इससे पहले दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट सहित कई अंतरराष्ट्रीय शिखरों पर सफलता हासिल कर चुकी हैं। उनका यह नया अभियान न केवल देश के लिए गौरव का विषय बन सकता है, बल्कि महिलाओं के लिए प्रेरणा का सशक्त प्रतीक भी साबित होगा।

किसी भारतीय महिला ने नहीं फहराया तिरंगा

बर्फ से ढके इस विशाल स्ट्रेटोवोल्केनो पर चढ़ाई को दुनिया के चुनौतीपूर्ण अभियानों में गिना जाता है। अत्यधिक ऊंचाई, जमा देने वाली ठंड, तेज हवाएं और खड़ी बर्फीली ढलानें इस अभियान को और कठिन बनाती हैं। ऐसे में यह यात्रा ज्योति रात्रे की शारीरिक क्षमता के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता की भी कड़ी परीक्षा लेगी। सबसे खास बात यह है कि अब तक भारत की किसी महिला पर्वतारोही ने इस शिखर पर तिरंगा नहीं फहराया है। यदि ज्योति इस मिशन में सफल होती हैं, तो यह भारतीय महिला पर्वतारोहण इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने वाला क्षण होगा।

राजनीति से मुद्दे गायब

राजनीति में भविष्यवाणियां अक्सर सुर्खियां बनाती हैं, लेकिन इतिहास बताता है कि लोकतंत्र की दिशा भविष्यवक्ताओं से नहीं, मतदाताओं से तय होती है। चुनावी राजनीति के मंच पर जब विपक्ष का कोई नेता सत्ता परिवर्तन की घोषणा करता है, तो वह केवल एक राजनीतिक दावा नहीं होता; वह उस माहौल का प्रतिबिंब भी होता है जिसमें विपक्ष और सत्ता पक्ष अपनी-अपनी संभावनाओं और आशंकाओं को देख रहे होते हैं। भारत की राजनीति लंबे समय से पहचान और भावनाओं के दोराहे पर खड़ी रही है। धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्रीय अस्मिताओं ने चुनावी विमर्श को बार-बार प्रभावित किया है। हर चुनाव में यह उम्मीद जागती है कि इस बार बहस रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और आर्थिक अवसरों पर होगी, लेकिन अक्सर चर्चा का केंद्र कहीं और खिसक जाता है। परिणाम यह होता है कि जनता की रोजमर्रा की चिंताएं राजनीतिक नारों की भीड़ में दब जाती हैं। आर्थिक असमानता का मुद्दा आज अचानक पैदा नहीं हुआ है। यह उस भारत की कहानी है जिसमें एक तरफ चमकते महानगर हैं और दूसरी तरफ वे करोड़ों लोग हैं जिनकी जिंदगी आज भी बुनियादी सुविधाओं के संघर्ष में बीत रही है। एक ओर संपन्नता का विस्तार दिखाई देता है, तो दूसरी ओर ऐसे परिवार भी हैं जिनकी सुरक्षा सामाजिक योजनाओं और सरकारी सहायता पर निर्भर है। यह विरोधाभास नया नहीं, लेकिन लगातार गहराता हुआ दिखाई देता है। फिर भी एक दिलचस्प विडंबना है। आर्थिक विषमता पर चिंता व्यक्त करने वाले समाज में यह मुद्दा शायद ही कभी चुनावी निर्णायक शक्ति बन पाता है। जनता महंगाई से प्रभावित होती है, बेरोजगारी से परेशान होती है, अवसरों की कमी महसूस करती है, लेकिन मतदान के समय अनेक अन्य कारक उसके निर्णय को प्रभावित करते हैं। यही भारतीय लोकतंत्र की जटिलता भी है और उसकी वास्तविकता भी। राजनीति से अपेक्षा होती है कि वह समाज को विभाजित करने वाले प्रश्नों से ऊपर उठकर उन समस्याओं पर केंद्रित हो जो हर वर्ग को प्रभावित करती हैं। सत्ता पक्ष के सामने समाधान प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी है, तो विपक्ष के सामने विश्वसनीय विकल्प देने की चुनौती।

बेतहाशा बढ़ती गर्मी दे रही है भविष्य के लिए गंभीर चेतावनी

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं, एक गहराते सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना जरूरी है कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता है। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की आशंका होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

महंगाई, ऊर्जा सुरक्षा और नीति निर्माण की देश के सामने चुनौती

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

पिछले कुछ समय से देश के शहरों और गांवों में एक चिंता लगातार सुनाई दे रही है- पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतें। यह चिंता केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव हर उस नागरिक पर पड़ता है जो रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करता है। जब पेट्रोल महंगा होता है तो उसका असर केवल पेट्रोल पंप तक नहीं रहता; वह परिवहन, खाद्य पदार्थों, निर्माण सामग्री, कृषि लागत और घरेलू बजट तक पहुंच जाता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि आर्थिक के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और नीतिगत प्रश्न भी है, जो सरकार, बाजार और नागरिक- तीनों से जुड़ा हुआ है।

भारत जैसे विकासशील देश में ऊर्जा केवल आर्थिक गतिविधियों का आधार नहीं है बल्कि सामाजिक गतिशीलता और विकास की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। देश का विशाल परिवहन तंत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है। यही कारण है कि पेट्रोल के बढ़ते भाव हमेशा जनचर्चा और राजनीतिक बहस का विषय बन जाते हैं। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों को समझने के लिए सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। यदि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो भारत को अधिक भुगतान करना पड़ता है, और उसका असर अंततः खुदरा कीमतों में दिखाई देता है। वैश्विक तेल बाजार केवल आर्थिक कारकों से प्रभावित नहीं होता। इसके पीछे भू-राजनीतिक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में तनाव, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, प्रमुख तेल उत्पादक देशों की उत्पादन नीतियां, रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे कारक तेल की कीमतों को प्रभावित करते हैं। किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष या आपूर्ति संकट का असर कुछ ही दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार पर दिखाई देने लगता है। भारत जैसे आयात निर्भर देश के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि घरेलू बाजार को इन परिस्थितियों से पूरी तरह अलग नहीं रखा जा सकता।

हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार एक महत्वपूर्ण कारण है लेकिन पेट्रोल की कीमतों का पूरा सच केवल वहीं तक सीमित नहीं है। भारत में पेट्रोल और डीज़ल की खुदरा कीमतों में करों की भी बड़ी भूमिका होती है। पेट्रोल की अंतिम कीमत में कच्चे तेल की लागत के अलावा केंद्र सरकार का उत्पाद शुल्क, राज्य सरकारों का मूल्य वर्धित कर (वैट), परिवहन लागत और डीलर कमीशन भी शामिल होता है। यही कारण है कि अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। तेल पर लगने वाले कर सरकारों के लिए राजस्व का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इन करों से प्राप्त आय का उपयोग सड़क निर्माण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के वित्त पोषण में किया जाता है। लेकिन यही कर आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी डालते हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है और कर संरचना में कोई राहत नहीं मिलती, तब उपभोक्ताओं को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। यही स्थिति अक्सर राजनीतिक बहस का कारण बनती है। पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव परिवहन क्षेत्र पर दिखाई देता है। टैक्सी चालक, ऑटो चालक, ट्रक मालिक, बस संचालक और डिलीवरी सेवाओं से जुड़े लाखों लोग बढ़ती लागत का सामना करते हैं। उनके सामने सामान्यतः दो विकल्प होते हैं- या तो बढ़ी हुई लागत को स्वयं वहन करें अथवा किराए और सेवा शुल्क बढ़ाकर उसका भार उपभोक्ताओं पर डाल दें। अधिकांश मामलों में दूसरा विकल्प अपनाया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं।

यहीं से महंगाई का व्यापक प्रभाव शुरू होता है। जब माल ढुलाई महंगी होती है तो सब्जियां, फल, दूध, अनाज, दवाइयां, निर्माण सामग्री और अन्य उपभोक्ता वस्तुएं भी महंगी होती हैं। इस प्रक्रिया को अर्थशास्त्र में लागत-प्रेरित महंगाई कहा जाता है। इसका असर विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है, क्योंकि उनकी आय सीमित होती है जबकि खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतों पर चर्चा करते समय एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी उठता है कि भारत ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में कितना आत्मनिर्भर है। पिछले वर्षों में सरकार ने रणनीतिक तेल भंडार विकसित करने और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने के प्रयास किए हैं। इससे आपूर्ति संकट की स्थिति में कुछ राहत मिल सकती है लेकिन यह दीर्घकालिक समाधान नहीं है। जब तक देश आयातित तेल पर अत्यधिक निर्भर रहेगा, तब तक वैश्विक बाजार की अस्थिरता का प्रभाव घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ता रहेगा। यहीं से ऊर्जा स्वाधीनता का प्रश्न सामने आता है। ऊर्जा स्वाधीनता का अर्थ केवल घरेलू तेल उत्पादन बढ़ाना नहीं है बल्कि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को मजबूत करना भी है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन और विद्युत आधारित परिवहन व्यवस्था इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है लेकिन अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतें हमें याद दिलाती हैं कि महंगाई की चर्चा केवल कीमतों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसके पीछे छिपी ऊर्जा नीति, आर्थिक संरचना और विकास मॉडल पर भी उतनी ही गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। जब तक यह व्यापक दृष्टिकोण नीति और जनचर्चा का हिस्सा नहीं बनेगा, तब तक हर नई मूल्य वृद्धि के साथ वही प्रश्न फिर सामने खड़ा होगा—महंगा पेट्रोल आखिर किसकी जिम्मेदारी है और इसका स्थायी समाधान क्या है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

भारत में बढ़ता नेक कैंसर, केवल गले का दर्द नहीं अन्य लक्षण भी देते हैं संकेत

बीते कुछ सालों में देश समेत दुनिया भर में कैंसर के मामलों में तेजी से उछाल देखने को मिला है। अब एक रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत में हाल के वर्षों में सिर और गर्दन के कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। लोगों को जानकारी के अभाव में समय से पता ही नहीं चल पाता है कि उन्हें कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी हो चुकी है। जबकि अगर आपको लक्षणों के बारे में मालूम होता है तो आप सही समय पर सही निदान से इस बीमारी को खत्म कर सकते हैं। अधिकतर लोगों का यह लगता है कि गर्दन में होने वाले कैंसर का मुख्य लक्षण गर्दन दर्द ही होता है जबकि ऐसा नहीं है।

डॉक्टर तरंग कृष्णा बताते हैं कि नेक कैंसर कोई एक सिंगल डिजीज नहीं है बल्कि यह कैंसर का एक समूह है जो सिर और गर्दन के विभिन्न हिस्सों में विकसित होता है। इनमें गले, वोकल कॉर्ड्स, मुंह, जीभ, थायरॉइड ग्लैंड, लार ग्रंथियां, साथ ही नेजल कैविटी और साइनस के कैंसर शामिल हैं।भारत में तंबाकू उत्पाद का सेवन इसके प्रमुख कारणों में से एक है। हालांकि अब रिस्क फैक्टर्स केवल इन्हीं आदतों तक सीमित नहीं रह गए हैं। तंबाकू के अलावा शराब का बढ़ता उपयोग, वायु प्रदूषण के संपर्क में आना, कमजोर इम्यूनिटी और भी नेक कैंसर के महत्वपूर्ण जोखिम कारक माने जाते हैं। साथ ही डाइट में अधिक मात्रा में प्रोसेस्ड और जंक फूड्स का बढ़ना भी जोखिम को बढ़ा रहा है।

अगर इसके शुरुआती लक्षणों पर अगर ध्यान दे दिया जाए तो बीमारी से समय पर निजात पाया जा सकता है। हालांकि गर्दन के कैंसर को मैनेज करने में सबसे बड़ी चुनौती ही ये है कि इसके शुरुआती लक्षण अक्सर हल्के या अस्पष्ट होते हैं। जिन्हें अक्सर सामान्य संक्रमण समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इनमें लगातार गले में खराश या दर्द के अलावा गर्दन में गांठ या सूजन, आवाज में बदलाव या भारीपन, निगलने में कठिनाई या दर्द, और मुंह में न भरने वाले घाव जैसे लक्षण शामिल होते हैं। इसके अलावा जीभ या मुंह के अंदर लाल या सफेद धब्बे, बिना कारण खून आना या लगातार बदबूदार सांस, बिना कारण कान में दर्द, और अचानक वजन कम होना या अत्यधिक थकान जैसे लक्षणों को लेकर भी अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

बचने के लिए क्या करें: पहले गर्दन के कैंसर के मामले अधिकतर बुजुर्गों में रिपोर्ट किए जाते थे लेकिन अब युवा लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप समय रहते ही नेक कैंसर से बचाव के लिए कुछ प्रभावी उपायों को अपनी लाइफस्टाइल में शामिल कर लें।

सुविचार

अगर आप अपनी गलतियों से सीख लेते हैं तो गलतियां आपके लिए सीढ़ी है। – अज्ञात

निशाना

कमाई छल कपट की हो..!

लक्ष्मीकांत जवणे

रुपैया यों गिरा लेकर वतन का शान से रिश्ता।
चरित लेकर गिरा ज्यों आदमी का आन से रिश्ता।
इकाई और दहाई में नपी जाती है खुशहाली
गिने कैसे बता दो अंक में ईमान का रिश्ता
तिजारत ने वतन में खेत फसलें खाक कर डाली,
भुला बैठे हैं मेहनतकश प्याज से नान का रिश्ता।
कमाई छल-कपट की हो वहाँ बरकत कहाँ होगी
बचा ही क्या कहें अब देश में अरमान का रिश्ता।
जगाकर फिर 'अलख' हम जागते अपनी ही बस्ती में,
इन्हीं गलियों बसेरों में कि हिंदोस्तान का रिश्ता।

नॉलेज

जीन थेरेपी के प्रयोग की सफलता , शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल को बाहर करने का दावा

दुनिया में होने वाली हर तीन में से एक मौत की वजह से दिल की बीमारी है। इसका सबसे बड़ा कारण होता है बैड कॉलेस्ट्रोल। वर्ल्ड हेल्थ फेडरेशन के मुताबिक दुनिया में हार्ट अटैक से होने वाली ज्यादातर मौतों की वजह यही खराब कॉलेस्ट्रोल होता है। अब तक इसे दवाइयों और इंजेक्शन से ही कंट्रोल किया जा सकता है, लेकिन हाल ही में हुई एक रिसर्च ने एक उम्मीद जगाई है। स्टडी में दावा किया गया है कि अगर जीन बदल दिए जाएं तो बैड कोलेस्ट्रॉल को जिंदगी भर के लिए कंट्रोल में रखा जा सकता है। रिसर्च के मुताबिक इसके लिए PCSK9 और ANGPTL3 जीन को बदलना होगा। दोनों जीन पर अलग अलग कंपनी काम कर रही हैं। PCSK9 पर अमेरिकी बायोटेक कंपनी 'वर्व थेरेपेटिक्स' पहली ही रिसर्च कर चुकी है, अब जो मानव परीक्षण किया गया है वो ANGPTL3 जीन पर CRISPR थेरेपेटिक्स कंपनी ने किया है। इसे CTX310 नाम दिया गया है। रिसर्च को पहले अमेरिकी हेल्थ एसोसएिशन के सामने पेश किया गया और उसके बाद न्यू इंग्लैंड जर्नरल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित किया गया. इसमें 73 से 89 प्रतिशत तक बैड कॉलेस्ट्रोल को कम करने के परिणाम मिले हैं।

क्या होती है जीन थेरेपी?: हमारे शरीर की हर कोशिका में DNA होता है। जीन इसी का ही एक हिस्सा हैं जो ये तय करते हैं कि शरीर में कौन सा प्रोटीन बनेगा और कितना बनेगा। जीन ही ये तय करते हैं कि हमाने बाल काले होंगे या हल्के, आंखों का रंग क्या होगा ओर शरीर किसी बीमारी से कैसे लड़ेगा।

आधे जीन हमें पिता से मिलते हैं और आधे माता से। इसीलिए बच्चों की आदतें, शारीरिक बनावट और चेहरा माता-पिता से मिलता है। यही जीन शरीर में कॉलेस्ट्रोल बनाने का जिम्मेदार होता है। थेरेपी के माध्यम से इसे हटाया जा सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक खून में ऐसे कई जीन होते हैं जो कॉलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। अगर इन्हें हटा दिया जाए तो फिर दवाओं के बिना भी कॉलेस्ट्रोल को बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए CRISPR-Cas9 तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। यह जीन को एडिट करने का एक माध्यम है जो डीएनए में सही जगह पहचानकर जीन को खत्म कर सकती है।

कैसे होती है जीन थेरेपी?: सबसे पहले CRISPR-Cas9 एडिटिंग मैकेनिज्म को लिपिड नैनोपार्टिकल्स के साथ शरीर में भेजा जाता है। लिपिड नैनो पार्टिकल्स शरीर के फैट के बेहद छोटे हिस्से को कहते हैं जो खून के साथ बहते हैं। मरीज को एक बार में इंजेक्शन से नसों के जरिए दवाई दी जाती है।नैनोपार्टिकल्स सीधे लिवर की कोशिकाओं में पहुंचते हैं, जहाँ LDL का ज़्यादातर उत्पादन और नियंत्रण होता है। अमेरिका की बायोटेक कंपनी CRISPR थेरेपेटिक्स ने ANGPTL3 जीन को थेरेपी से हटाने का मानव परीक्षण किया है।

वायरल कंटेंट

खौफनाक अपराध ,पत्नी का 500 मर्दों के साथ सौदा, 10 दिन में मिलती थी एक दिन की छुट्टी!

फ्रांस से एक ऐसा खौफनाक मामला सामने आया है जिसे सुनकर किसी का भी कलेजा कांप जाएगा। एक पति ने अपनी ही पत्नी को 7 साल तक लगातार यौन शोषण का शिकार बनाए रखा। ना सिर्फ खुद रेप किया बल्कि उसे सैकड़ों दूसरे मर्दों के साथ सोने पर भी मजबूर किया। इस दौरान महिला को इतनी क्रूर यातनाएं दी गईं कि उसकी जिंदगी नर्क बन गई।

आरपी गुइलॉमे बुकी (51 वर्ष) एक बैंक मैनेजर है। उसकी पत्नी लएटीटीया आर (42 वर्ष) है। दोनों के बीच 7 साल तक यह सिलसिला चला। कोर्ट में सामने आए खुलासे के अनुसार आरोपी ने अपनी पत्नी को पैसे के लालच में वेश्यावृत्ति पर लगा दिया था। महिला को 500 से भी ज्यादा पुरुषों के साथ संबंध बनाने पड़ें। आरोपी खुद इस पूरे धंधे को मैनेज करता था। वह क्लाइंट्स से पैसे लेता और अपनी पत्नी को उनके पास भेजता था। महिला विरोध करती तो मारपीट, रेप और और भी भयानक यातनाएं दी जातीं।

पति खुद महिला का रेप करता था। उसे अपना पेशाब पिलाता था। पब्लिक टॉयलेट साफ करवाता था। 10 दिन उससे धंधा करवाया जाता और सिर्फ एक दिन पूरा सोने देता था। महिला को लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जाती थी। पीड़िता की हालत इतनी खराब हो गई थी कि वह सामान्य जीवन जीने लायक नहीं रह गई थी। लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और आखिरकार पुलिस के पास पहुंची।

कोर्ट का फैसला: दक्षिण फ्रांस के Digne-les-Bains क्रिमिनल कोर्ट में मुकदमा चला। महिला ने साहस दिखाते हुए बंद कमरे की सुनवाई से इनकार कर दिया और खुलकर अपना बयान दिया। कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया और लंबी सजा सुनाई। महिला ने कोर्ट में बताया कि वह इन 7 सालों में कई मौत मर चुकी थी। वह कई बार भागने की कोशिश कर चुकी थी लेकिन पति की मार और धमकियों के कारण नहीं भाग पाई।

सोशल मीडिया पर सनसनी: इस केस की खबर सामने आने के बाद फ्रांस समेत पूरी दुनिया में आक्रोश फैल गया है। लोग महिला की हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं। कई महिलाएं अपनी समान कहानियां शेयर कर रही हैं। पति जैसे शैतान इंसान को दी गई सजा को लोग कम बताते हुए और सख्त सजा की मांग कर रहे हैं।

न्यूज विंडो

सांसद दर्शनसिंह ने की मुख्य सचिव से मुलाकात कर की कई मुद्दों पर चर्चा

नर्मदापुरम। होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन से सौजन्य मुलाकात कर क्षेत्रीय विकास और जनहित से जुड़े कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बातचीत के दौरान सांसद ने पिपरिया विधानसभा क्षेत्र के मटकुली एवं आसपास के सूखाग्रस्त ग्रामों को दूधी सिंचाई परियोजना से जोड़ने का निवेदन करते हुए संबंधित कार्यों में शीघ्रता लाने की मांग वाला एक पत्र मुख्य सचिव को सौंपा। सांसद चौधरी ने कहा कि मटकुली क्षेत्र में अधिकांश किसानों की खेती वर्षा पर निर्भर है और लंबे समय से सिंचाई की असुविधा के कारण उनकी आमदनी और जीवनयापन पर असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि दूधी सिंचाई परियोजना से इन गांवों को जोड़ने पर किसानों को निरंतर पानी उपलब्ध होगा, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मुलाकात में सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गाडरवारा आगमन के मद्देनज़र भी आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने एनटीपीसी गाडरवारा में प्रस्तावित कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों सहित आयोजन से जुड़े समस्त विषयों पर मुख्य सचिव से संवाद किया। दर्शन सिंह चौधरी ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार क्षेत्र की समस्याओं और विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हुए सकारात्मक पहल करेगी और दूधी परियोजना के कार्यों में गति आएगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सांसद के विचारों और प्रस्तुत पत्र को नोट किया और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया।

बढ़ती कीमतों के विरोध में मेलोडी बांटकर कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

गंजबासौदा। पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में बुधवार को कांग्रेस कमेटी द्वारा नगर में अनोखा प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता पेट्रोल पंप पहुंचे और आमजन को मेलोडी वितरित करते हुए केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी, किसान, मजदूर एवं मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। लगातार बढ़ती महंगाई के कारण जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है और हर वर्ग परेशान है। कांग्रेसजनों ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर लगातार संघर्ष कर रही है और आगे भी जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलन जारी रखेगी। प्रदर्शन के दौरान जय कांग्रेस, विजय कांग्रेस के नारे भी लगाए गए। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विकास शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यप्रकाश सेन, सुनील पिंगले, रवि तिवारी, रामकिशन दुबे, बीडी शर्मा, रवि यादव, अंसार भाई सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष ने किया पर्यटन घाट का निरीक्षण, गुणवत्ता के दिए निर्देश

लगाए जाएंगे बेसाल्ट पत्थर नए लुक में दिखेगा पर्यटनघाट

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट नर्मदा लोक कोरीडोर के प्रथम फेस का कार्य पर्यटन घाट से शुरू हो गया है। गत दिवस को नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने स्वयं जाकर कार्य की प्रगति का अवलोकन किया गया। साथ ही निर्माण कार्य की बारीकी से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान निर्माण एजेंसी के अधिकारी कर्मचारी और नपा की उपयंत्री रीना गुप्ता उपस्थित रहीं। उपयंत्री रीना गुप्ता ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन पर नर्मदा लोक कोरीडोर का कार्य चल रहा है। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा आज पर्यटन घाट पर बन रही पार्किंग व्यवस्था का अवलोकन किया तथा निर्माण कार्य को तेजगति से गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा में कंपलीट करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोरीघाट पर स्थित सभी नाले को चैनेलाइज किया जा रहा है। साथ ही निर्माण एजेंसी द्वारा एक और पंपिंग स्टेशन बनाया जा रहा है। जहां पर एसटीपी प्लांट लगाया जाएगा। जिसके माध्यम से नाले का पानी साफ किया जाएगा। इसके अलावा ओजोनाइजेशन के माध्यम से भी पानी का शुद्धिकरण होगा, जिससे गंदा पानी मां नर्मदा में सीधे नहीं मिलेगा। उपयंत्री श्रीमती गुप्ता ने बताया कि पर्यटन घाट पर बेसाल्ट पत्थर से नक्काशी की जाएगी। जिससे पर्यटन का घाट नए लुक में दिखेगा। अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से पत्थरों पर डिजाइनिंग की जाएगी।

कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण किया जाए

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा बताया गया कि पर्यटन घाट पर चल रहे नर्मदा लोक कोरीडोर निर्माण नगरपालिका के महत्वाकांक्षी कार्यों में से एक है। प्रथम चरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। जिसमें पार्किंग व्यवस्था महत्वपूर्ण है। बुधवार को निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी को समय सीमा और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही निर्माण कार्य के दौरान सावधानी रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

43 डिग्री तक पहुंचा तापमान, हीटवेव की जद में जिला मंदसौर

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

नवतपा की गर्मी अब लोगों के लिए असहनीय होती जा रही है। भीषण गर्मी के दौर में तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया है। सुबह धूप निकलने के साथ गर्मी का यह दौर शुरू हो रहा है। सूर्यास्त होने के बाद भी रात तक गर्म हवाएं चलने का दौर जारी है। रात में भी तापमान 30 डिग्री के आसपास जिले में बना हुआ है। धूप की तेजी मानों आग बरसा रही है। ऐसे में अत्यधिक भीड़ वाले रास्तों पर भी सन्नाटा नजर आ रहा है। बाजार में लोग जरूरी होने पर ही खुद को धूप से बचाते हुए निकल रहे है। अस्पताल में भी हीटस्ट्रोक के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने लू के असर से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की है तो पशुपालन विभाग ने तेज गर्मी के दौर में पशुओं के लिए की जाने वाले सावधानियों भी जारी की है। भीषण गर्मी के इस दौर में धूप की तेजी लगातार बढ़ती जा रही है। इसके कारण हर किसी का हाल बेहाल है। इस बार अत्यधिक गर्मी ने लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। इससे आम जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया है। पंखे व कूलर भी गर्मी से राहत नहीं दे पा रहे है। मौसम विभाग की माने तो अभी कुछ दिन और गर्मी का यही दौर जारी रहेगा। 2 जून तक नवतपा का दौर चलेगा। इसमें अंतिम दिनों में मौसम में बदलाव होने की संभावना जताई जा रही है। तेज धूप के कारण गर्मी का असर बढ़ने के साथ चल रही गर्म हवाओं के कारण लू की चपेट में हर कोई आ रहा है। वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन से तापमान में हो रही वृद्धि के कारण हमारे स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव हो रहा है।

नर्मदापुरम में बनी फिल्म... द नर्मदा स्टोरी का ट्रेलर रिलीज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

फिल्म द नर्मदा स्टोरी का ट्रेलर मंगलवार को होम साइंस कॉलेज के सभागृह में प्रदर्शित किया गया। यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं के साथ-साथ फिल्म के स्थानीय अभिनेता भी उपस्थित रहे। फिल्म की शूटिंग नर्मदापुरम जिले के विभिन्न स्थलों पर 40 दिन तक की गई। स्थानीय अभिनेता शरद सिंह ने बताया कि ट्रेलर अब ऑल इंडिया स्तर पर जारी कर दिया गया है और फिल्म का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को मजबूती से प्रस्तुत करना है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म के प्रदर्शन के बाद कॉलेज की छात्राओं के लिए टॉकीज में मुफ्त शो आयोजित किया जाएगा। फिल्म में नर्मदापुरम का नाम बदले बिना ही शहर की पहचान को पर्दे पर दिखाया गया है। होम साइंस कॉलेज की प्राचार्य कामिनी जैन ने कार्यक्रम में कहा कि यह फिल्म महिला सशक्तिकरण पर आधारित है और जिले के लिये गर्व की बात है। फिल्म में मुकेश तिवारी, रघुवीर यादव, सिमाला प्रसाद और जरीना वहाब मुख्य भूमिकाओं में हैं। द नर्मदा स्टोरी 12 जून को ऑल इंडिया स्तर पर रिलीज होगी।

चलती ट्रेन में चढ़ रही महिला ट्रेन से नीचे गिरी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

इटारसी रेलवे स्टेशन पर बुधवार शाम एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रही एक महिला ट्रेन के नीचे जा गिरी। घटना गाड़ी नंबर 19483 बरौनी एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म नंबर-1 से रवाना होने के समय हुई।

पुलिस और यात्रियों के अनुसार, घायल महिला महमूदा खातून (30), निवासी सीतामढ़ी, बिहार, अपने दो महीने के बच्चे को गर्मी से राहत दिलाने के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरी थी। ट्रेन चलने लगी तो महिला ने पहले बच्चा अपने पति को कोच एस-6 में सौंपा। फिर खुद ट्रेन पर चढ़ने की कोशिश करते हुए उनका पैर फिसला और वे ट्रेन के नीचे जा गिरीं, जिससे प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद गार्ड ने सूझबूझ से ट्रेन का प्रेशर ड्रॉप किया और ट्रेन रोकी गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आरपीएफ पोस्ट इटारसी के प्रधान आरक्षक राजेश यादव और आरक्षक हर प्रताप सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे। दोनों आरक्षियों ने मिलकर महिला को ट्रेन के नीचे से सुरक्षित बाहर निकाला और स्टेशन पर मौजूद डॉक्टर को दिखाया गया। बाद में गंभीर स्थिति के कारण महिला को शासकीय अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने बताया कि महमूदा की कमर और दोनों जांघों में फ्रैक्चर है और उन्हें अंदरूनी चोटें भी आई हैं। परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वह एस-6 कोच में यात्रा कर रही थीं। जवानों की तत्परता और ट्रेन के समय पर रुकने के कारण महिला की जान बच गई। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से चेतावनी दी है कि चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें, क्योंकि इससे जान-माल का गंभीर जोखिम रहता है।

शिव महापुराण कथावाचन से प्रदेशभर में बनाई पहचान, संगठन को मिलेगी नई ऊर्जा

भोपाल संभाग उपाध्यक्ष बने पं. धर्मेंद्र भार्गव, समाज ने जताया हर्ष

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्री भृगु भार्गव ब्राह्मण समाज मप्र द्वारा श्री परशुराम मंदिर, शिवाजी नगर भोपाल में आयोजित जिला एवं संभाग कार्यकारिणी गठन सम्मेलन में नगर के प्रसिद्ध शिव महापुराण कथावाचक एवं शिव उपासक पंडित धर्मेंद्र भार्गव को भोपाल संभाग उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनकी नियुक्ति की घोषणा होते ही समाजजनों में हर्ष का माहौल बन गया और शुभकामनाओं का सिलसिला शुरू हो गया।

भोपाल में आयोजित इस सम्मेलन में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भोपाल जिला में 38 तथा भोपाल संभाग में 27 पदाधिकारियों की कार्यकारिणी गठन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। सम्मेलन में समाज संगठन को मजबूत करने, सामाजिक एकता बढ़ाने तथा नई पीढ़ी को धर्म एवं संस्कारों से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला एवं संभाग निर्वाचन अधिकारी के रूप में नगर के पं. परसराम दुबे शिक्षक ने दायित्व निभाया, जबकि अमित चतुर्वेदी ने सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं सह सचिव के रूप में निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री दर्जा प्राप्त शिव चौबे, रमाशंकर चौधरी सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन मंचासीन रहे। वहीं डॉ. अनिल भार्गव (वायु), प्रदेश महासचिव द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को दायित्व अधिसूचना पत्र भेंट किए गए। पंडित धर्मेंद्र भार्गव प्रदेशभर में शिव महापुराण कथा वाचन के लिए विशेष पहचान रखते हैं।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

आधुनिक भारत के निर्माण में पं. नेहरू की भूमिका अतुलनीय

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने एकत्र होकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने नेहरू जी के व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पकार बताया।

कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विकास शर्मा ने पंडित नेहरू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने देश को विकास और लोकतंत्र की मजबूत दिशा प्रदान की। उनके नेतृत्व में देश ने औद्योगिक, वैज्ञानिक और आर्थिक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। वरिष्ठ नेता सुनील बाबू पिंगले एवं सत्यप्रकाश सेन ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडित नेहरू ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देने के साथ-साथ शिक्षा, उद्योग और तकनीकी विकास को नई पहचान दिलाई। उनके नेतृत्व में भारत ने प्रगति के अनेक आयाम स्थापित किए। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता राजेश माहेश्वरी, कल्याण सिंह नागौरी, पार्षद प्रतिनिधि मनी अहिरवार, नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, बीडी शर्मा, ताराचंद अहिरवार, कौशल कुशवाहा, अभिनव शर्मा, अमित मेहता, विनोद जैन, हरीश भावसार, रवि अहिरवार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बंद कमरे में बिस्तर पर मिला पत्नी का शव, पास ही फंदे पर लटका मिला पति

सतना। जिले के तिवनी गांव में बुधवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक दंपती के शव उनके ही घर में बंद कमरे में मिले। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पत्नी का शव बिस्तर पर और पति का शव पास ही फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। कमरे से संघर्ष या खून के निशान नहीं मिले हैं, जिसके कारण आशंका जताई जा रही है कि पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के बाद पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, या फिर पति को फांसी के फंदे पर लटका देख पत्नी को हार्ट अटैक आया है। पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सतना जिले के तिवनी गांव में रहने वाले 45 वर्षीय किसान रामनिवास कोरी और उनकी 43 वर्षीय पत्नी शकुंतला कोरी के शव उनके ही घर के कमरे में मिले हैं। बुधवार की सुबह जब रामनिवास और शंकुतला काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आए तो परिजनों ने उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई जवाब न मिलने पर परिजनों ने आस-पड़ोस के लोगों को बुलाया और कमरे का दरवाजा तोड़ा तो रामनिवास व पत्नी के शव कमरे में देखकर हैरान रह गए। परिजनों ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे में पत्नी शकुंतला का शव बिस्तर पर पड़ा हुआ था और पास ही कमरे में पति रामनिवास फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की।

मेट्रो एंकर

राष्ट्रीय शैक्षिक संगोष्ठी में व्याख्यान और कविता पाठ पर हुए सम्मानित

अभय शर्मा को मिला महादेवी वर्मा राष्ट्रीय लेखक व साहित्यकार पुरस्कार

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय त्योंदा के प्रभारी प्राचार्य अभय कुमार शर्मा को इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक संगोष्ठी में महादेवी वर्मा राष्ट्रीय लेखक व साहित्यकार पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उन्हें विद्यार्थी और नैतिक शिक्षा विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान तथा शिक्षक तो है इस धरती की, आन-बान और शान शीर्षक कविता पाठ के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें शॉल, श्रीफल, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए।

उल्लेखनीय है कि बालरक्षक प्रतिष्ठान भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक संगोष्ठी में अभय कुमार शर्मा को विशेष रूप से व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। उद्घाटन सत्र में उन्हें विशेष अतिथि के रूप में मंच पर स्थान दिया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस संगोष्ठी में देश के 17 राज्यों से 112 शिक्षकों ने सहभागिता की। छह सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले चार शिक्षकों में मध्यप्रदेश से अभय कुमार शर्मा एकमात्र शिक्षक रहे। अन्य सम्मानित शिक्षकों में दो छत्तीसगढ़ तथा एक महाराष्ट्र की शिक्षिका शामिल रहें। अहिल्या परिसर इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में अहिल्याबाई होल्कर शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य एवं साहित्यकार डॉ. योगेंद्र नाथ शुक्ल, इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ की अतिरिक्त निर्देशक डॉ. बबीता कड़ाकिया, पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) सुप्रिया चौधरी, साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. मनोज दवे, कवि एवं लेखक डॉ. कामना शर्मा, मध्यप्रदेश शैक्षिक परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सलाड़िया, उपाध्यक्ष डॉ. किशोर गुप्ता, अभिनेता एवं शिक्षाविद डॉ. संजय मालवी, बालरक्षक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष मनोज चिंचोरे, सचिव नरेश बाघ, संयोजक धर्मेश जोशी तथा श्रीमती स्मिता राणा सहित अनेक शिक्षाविद एवं साहित्यकार उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

ग्राम सैलवाडा में श्रद्धा और भक्ति के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

तेंदूखेड़ा। ग्राम सैलवाडा में श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस पर भक्तिमय वातावरण के बीच भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कथा आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। सुबह विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सिर पर कलश धारण किए महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भजन-कीर्तन करते हुए चल रही थीं, वहीं श्रद्धालु भगवान के जयकारों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर कथा स्थल तक पहुंची। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन धार्मिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन कथा व भजन कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस अवसर पर ग्राम एवं आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। कथा व्यास ने प्रथम दिवस पर भगवान की महिमा का वर्णन करते हुए सभी से धर्म और संस्कारों के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों एवं समिति सदस्यों का योगदान रहा।

एसडीओपी ने पटाखा फैक्ट्री का किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

तेंदूखेड़ा। तेजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम हाथीघाट हरदुआ में स्थित पटाखा फैक्ट्री का तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर ने निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं और रिकॉर्ड का बारीकी से परीक्षण किया गया। एसडीओपी ने फैक्ट्री में लगे अग्निशमन यंत्रों को चालू कराकर उनकी कार्यक्षमता जांची, जो सही स्थिति में पाए गए। इसके साथ ही स्टॉक रजिस्टर और स्टॉक रूम का भी निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान फैक्ट्री में किसी प्रकार की विस्फोटक सामग्री का स्टॉक मौजूद नहीं मिला। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी ने फैक्ट्री संचालक को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए एसडीओपी ने बढ़ते तापमान को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि दोपहर में अत्यधिक गर्मी के समय उत्पादन कार्य सीमित रखें ज्वलनशील पदार्थ का भंडारण मानक अनुसार ही किया जाए फैक्ट्री परिसर में धूम्रपान व खुली आग पूर्णतः प्रतिबंधित रहे उन्होंने फैक्ट्री संचालक को विस्फोटक नियम का कड़ाई से पालन करने को कहा लापरवाही पाए जाने पर लाइसेंस निरस्ती की कार्रवाई की जाएगी इस मौके पर तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह ठाकुर एएसआई पवन तिवारी आरक्षक रौनक पटेल उपस्थित रहे।

नर्मदा परिक्रमा करने वालों की बढ़ती परेशानी धर्मशालाएं गायब और प्रशासन मौन

अमरकंटक। नगर में स्थित मां नर्मदा उद्गम स्थल देशभर के श्रद्धालुओं और नर्मदा परिक्रमा वासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां से नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ करते हैं, लेकिन वर्तमान समय में परिक्रमावासियों को सबसे अधिक परेशानी यदि किसी बात की हो रही है तो वह है रुकने और ठहरने की व्यवस्था की। स्थानीय लोगों और परिक्रमा वासियों का कहना है कि अमरकंटक नगर परिषद द्वारा वर्षों पहले नर्मदा परिक्रमा यात्रियों के लिए कई धर्मशालाएं और विश्राम स्थल बनाए जाने का दावा किया गया था। लेकिन आज स्थिति यह है कि धार कुंडी,कल्याण आश्रम और मृत्युंजय आश्रम को छोड़ दें तो अधिकांश स्थानों पर परिक्रमा वासियों को रोकने में आनाकानी की जाती है या फिर जगह उपलब्ध नहीं होने का हवाला दिया जाता है। स्थानीय जानकारों के अनुसार अमरकंटक में नर्मदा परिक्रमा यात्रियों के लिए नगर परिषद और अन्य संस्थाओं के माध्यम से दर्जनों भवन और धर्मशालाएं बनाई गई थीं। सवाल यह है कि वे भवन वर्तमान में किस स्थिति में हैं, क्या उनका उपयोग किसी अन्य कार्य में किया जा रहा है। यदि वे बंद पड़े हैं तो उनका रखरखाव कौन कर रहा है। यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि पूर्व में अमरकंटक क्षेत्र में 22 से अधिक धर्मशालाएं और यात्री विश्राम स्थल सक्रिय रूप से संचालित होते थे। आज उनमें से कई या तो बंद दिखाई देते हैं, कई निजी उपयोग में बताए जा रहे हैं और कुछ का अस्तित्व ही लोगों की नजरों से गायब हो चुका है। आखिर इतने बड़े धार्मिक स्थल में यात्रियों के लिए बनी सुविधाएं कहां विलुप्त हो गईं, यह एक गंभीर जांच का विषय बन चुका है। नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि वे कई सौ किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए अमरकंटक पहुंचते हैं।

लोकायुक्त इंदौर की टीम ने की कार्रवाई

सहायक प्राध्यापक ने पोस्टिंग के बदले मांगी 4 लाख की रिश्वत, रंगे हाथों पकड़ा

खरगोन। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश के खरगोन जिले का है जहां इंदौर लोकायुक्त की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सहायक प्राध्यापक को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा है। रिश्वतखोर सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय मंडलेश्वर में पदस्थ है और उसने एक महिला सहायक प्राध्यापक से पसंदीदा जगह पर पोस्टिंग कराने के बदले में रिश्वत की मांग की थी। लोकायुक्त पुलिस के अनुसार इंदौर जिले के मानपुर निवासी फरियादी मनोज वास्केल ने पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त इंदौर राजेश सहाय को शिकायत दी थी कि उनकी पत्नी उर्मिला वास्कले का चयन पीएससी के माध्यम से सहायक प्राध्यापक पद पर हुआ था। उनकी पदस्थापना पहले मंदसौर जिले के दलौदा में हुई थी, जिसे बाद में धार कॉलेज में करवाने का दावा करते हुए आरोपी सहायक प्राध्यापक आत्माराम सोलंकी लगातार चार लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा है। जिनमें से एक लाख रुपये पहले ही वो आत्माराम सोलंकी को दे चुका है।

लोकायुक्त टीम ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर बुधवार को जाल बिछाकर आवेदक मनोज वास्कले को रिश्वत की दूसरी किस्त के तौर 50 हजार रुपये देने के लिए रिश्वतखोर सहायक प्राध्यापक के पास भेजा। रिश्वतखोर सहायक प्राध्यापक आत्माराम सोलंकी ने रिश्वत के पैसे देने के लिए फरियादी को धामनोद बायपास स्थित मधुबन ढाबे पर बुलाया था। यहां लोकायुक्त की टीम पहले से तैनात थी। जैसे ही फरियादी ने रिश्वत की किस्त के रूप में 50 हजार रुपए आरोपी को दिए, टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। कार्रवाई के बाद आरोपी को खलघाट रेस्ट हाउस ले जाकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई।

आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज

लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा-7 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कार्रवाई उप पुलिस अधीक्षक सुनील तालान के नेतृत्व में की गई। टीम में कार्यवाहक प्रधान आरक्षक विवेक मिश्रा, आरक्षक विजय कुमार, मलेश परिहार, रामेश्वर निगवाल, आशीष नायडू, प्रभात मोरे शामिल रहे। लोकायुक्त टीम ने आमजन से अपील की है कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करें तो इसकी सूचना तत्काल लोकायुक्त कार्यालय को दें, ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

यात्रियों में नाराजगी

उमरिया, शहडोल एवं अनूपपुर रेलवे स्टेशनों पर 'जनता खाना' योजना कागजों तक सीमित

शहडोल। दोपहर मेट्रो

उमरिया, शहडोल एवं अनूपपुर रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को रेलवे की 'जनता खाना' योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यात्रियों का आरोप है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा कागजों में तो जनता खाना उपलब्ध बताया जा रहा है, लेकिन वास्तविकता में स्टेशन और ट्रेनों में यह सुविधा नजर नहीं आ रही।

गौरतलब है कि उमरिया जिला मुख्यालय है, शहडोल संभागीय मुख्यालय है, जबकि अनूपपुर भी महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन के रूप में जाना जाता है। इन स्टेशनों से प्रतिदिन हजारों यात्री सफर करते हैं। रेलवे द्वारा गरीब एवं सामान्य वर्ग के यात्रियों के लिए 15 में पूरी-सब्जी और अचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाई गई है, ताकि यात्रियों को सस्ता एवं स्वच्छ भोजन मिल सके।

यात्रियों का कहना है कि जनता खाना उपलब्ध नहीं होने से उन्हें मजबूरी में महंगा भोजन खरीदना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। कई यात्रियों ने आरोप लगाया कि स्टेशन परिसर में जनता खाना के काउंटर दिखाई नहीं देते और पूछताछ करने पर भी संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। वहीं कुछ यात्रियों ने यह भी कहा कि ट्रेनों में अवैध वेंडरों द्वारा अधिक कीमत पर भोजन बेचा जा रहा है। रेल यात्रियों ने मांग की है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन उमरिया, शहडोल एवं अनूपपुर रेलवे स्टेशनों पर नियमित निरीक्षण कर जनता खाना योजना को धरातल पर लागू कराए, ताकि गरीब और सामान्य यात्रियों को राहत मिल सके। यात्रियों का कहना है कि रेलवे की जनहित योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनका लाभ आम जनता तक पहुंचना चाहिए।

आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को दी गई जिम्मेदारी पर उठे सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में आयोजित भाजपा कार्यशाला को लेकर राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। कार्यशाला में कथित रूप से आपराधिक प्रवृत्ति से जुड़े लोगों को व्यवस्था और जिम्मेदारी सौंपे जाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कुछ कार्यकर्ताओं का कहना है कि राजनीतिक कार्यक्रमों में अनुशासन और स्वच्छ छवि वाले लोगों को जिम्मेदारी मिलनी चाहिए, लेकिन यहां विवादित छवि वाले व्यक्तियों की मौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही। जानकारी के अनुसार कार्यशाला में व्यवस्था संभालने वाले कुछ लोगों के खिलाफ पहले भी विभिन्न विवाद और आरोप सामने आते रहे हैं। ऐसे लोगों को मंच और जिम्मेदारी मिलने से पार्टी की छवि प्रभावित होने की बात कही जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बड़े दलों के आयोजनों में जिम्मेदार व्यक्तियों का चयन बेहद सावधानी से किया जाना चाहिए, ताकि संगठन की साख पर सवाल न उठें। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्रमों में साफ-सुथरी छवि और सामाजिक रूप से सक्रिय लोगों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आरटीओ में की अभद्रता, राजस्व विभाग की टीम पर हमला

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमले व अभद्र व्यवहार के दो अलग-अलग सनसनीखेज मामले सामने आए हैं। पहली घटना जिला मुख्यालय के आरटीओ कार्यालय की है, जहां बस जब्त होने से नाराज दो बस मालिकों ने आरटीओ अधिकारी के साथ सरेआम गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। वहीं दूसरी वारदात अमझेरा क्षेत्र के कपास्थल ग्राम की है, जहां शासकीय आदेश पर जमीन का सीमांकन करने गई राजस्व विभाग की टीम पर दबंगों ने लात-घूंसों से हमला कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कर्मचारियों ने कार्रवाई की मांग करते हुए सरदारपुर एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा।

पहला मामला: शहर में तिरला रोड स्थित जिला आरटीओ कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया जब दो रसूखदार बस मालिक अपनी जब्त बसों की बात को लेकर आरटीओ अधिकारी से भिड़ गए। घटना 25 मई की शाम की है, जिसकी रिपोर्ट अगले दिन कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई। कैलाश नगर (धार) निवासी कर्मचारी मधुकर पिता रायसिंह सिसोदिया (57 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि उन्होंने नियमों का उल्लंघन करने पर दो बसों को जब्त किया था। इसी बात से नाराज होकर सरदारपुर के शिवजी मार्ग के रहने वाले आरोपी सईद खान और उसका बेटा ईशाक खान आरटीओ कार्यालय में जबरन घुस आए। दोनों आरोपियों ने आते ही अपनी बसों को जब्त किए जाने का विरोध करते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली। जब अधिकारी ने उन्हें समझाने की कोशिश की, तो आरोपी आगबबूला हो गए और सरेआम मां-बहन की बेहद अभद्र गालियां देना शुरू कर दिया। पुलिस ने आरोपी सईद खान और ईशाक खान के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

दूसरी घटना: दूसरा मामला ग्राम कपास्थल में सामने आया है, जहां नायब तहसीलदार के आदेश पर जमीन का सीमांकन (नपती) करने पहुंचे पटवारी के साथ खेत मालिकों ने बेरहमी से मारपीट की और उन्हें जातिसूचक गालियां दीं। वर्तमान में टप्पा तहसील दसई में पदस्थ फरियादी पटवारी कृष्णपालसिंह पिता सरदारसिंह मण्डलोई (जाति भीलाला, उम्र 30 वर्ष) ने बताया कि वे नायब तहसीलदार के आदेश क्रमांक 661/2026 के पालन में ग्राम कपास्थल में जितेंद्र भील नामक व्यक्ति की जमीन का सीमांकन करने गए थे।

डिजिटल क्रॉप सर्वेयरों का हल्लाबोल

नए सरकारी आदेश के विरोध में उतरे पटवारी, सामूहिक आंदोलन की चेतावनी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे (गिरदावरी) कार्य से जुड़े हजारों युवाओं में शासन के नए आदेश को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। आयुक्त भू-संसाधन प्रबंधन, ग्वालियर द्वारा जारी आदेश के विरोध में अब डिजिटल क्रॉप सर्वेयर संघ के साथ-साथ पटवारी संघ ने भी खुलकर मोर्चा संभाल लिया है। सर्वेयरों का कहना है कि यह आदेश उनके रोजगार और भविष्य पर सीधा हमला है।

नए आदेश के अनुसार अब किसी भी स्थानीय युवा को केवल एक सीजन तक ही डिजिटल सर्वे का कार्य दिया जाएगा तथा अगले सीजन में उसकी जगह नए युवाओं को अवसर प्रदान किया जाएगा। शासन इसे अधिक युवाओं की सहभागिता बढ़ाने वाला कदम बता रहा है, लेकिन वर्तमान में कार्यरत सर्वेयरों का कहना है कि यह निर्णय उनके अनुभव और वर्षों की मेहनत को नजरअंदाज करने वाला है। उनका आरोप है कि पिछले दो वर्षों से उन्होंने फार्मर आईडी, ई-केवाईसी और डिजिटल गिरदावरी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को पूरी जिम्मेदारी और मेहनत से सफल बनाया है। आंदोलन को उस समय और मजबूती मिली जब तेंदूखेड़ा पटवारी संघ ने भी सर्वेयरों की मांगों का समर्थन करते हुए लिखित ज्ञापन सौंपा। पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अनुभवी सर्वेयरों को हटाना न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि इससे कार्य की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। संघ का मानना है कि प्रशिक्षित और अनुभवी युवाओं को निरंतर कार्य में बनाए रखना शासन और किसानों दोनों के हित में है।

सर्वेयर संघ की प्रमुख मांगों में विवादित आदेश को तत्काल निरस्त करना, पूर्व से कार्यरत अनुभवी युवाओं को प्राथमिकता देना, बंद की गई गिरदावरी आईडी को पुनः चालू करना तथा नई भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाना शामिल है। संघ ने मुख्यमंत्री एवं स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। सर्वेयरों ने कहा कि उन्होंने दिन-रात मेहनत कर मध्य प्रदेश को डिजिटल गिरदावरी कार्य में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल किया है, लेकिन अब उन्हें ही बेरोजगार करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने शासन से संवेदनशीलता दिखाते हुए आदेश वापस लेने की मांग की है।

पुलिस-प्रशासन अलर्ट

धार में ईद से पहले निकाला फ्लैग मार्च, शांति का संदेश

धार। दोपहर मेट्रो

ईद त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए पूरी तरह अलर्ट हो गई है। इसी क्रम में, एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर और नगर पुलिस अधीक्षक रवि सोनेर के मार्गदर्शन में सागौर और दिग्ठान के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया। बीती शाम को निकाले गए इस फ्लैग मार्च में सागौर थाना और दिग्ठान चौकी का भारी पुलिस बल शामिल था। पुलिस का यह काफिला दोनों क्षेत्रों के मुख्य मार्गों, संवेदनशील चौराहों और मिश्रित आबादी वाले इलाकों से गुजरा। अधिकारियों ने पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। फ्लैग मार्च के उद्देश्य के बारे में एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर ने बताया कि इसका मुख्य लक्ष्य आगामी ईद पर्व के दौरान क्षेत्र में शांति, सुदृढ़ कानून व्यवस्था और आपसी भाईचारा बनाए रखना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मार्च के माध्यम से असामाजिक तत्वों को कड़ा संदेश दिया गया है। त्योहार की खुशियों में खलल डालने या माहौल बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नागरिकों से अफवाह पर ध्यान न देने की अपील

एडिशनल एसपी बेलापुरकर ने यह भी बताया कि मार्च का एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य आम जनता, विशेषकर अल्पसंख्यक समुदाय में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। इसका लक्ष्य है कि सभी नागरिक बिना किसी डर के हर्षोल्लास के साथ ईद का त्योहार मना सकें। मार्च के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध जनों से बातचीत की और उन्हें सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैलने वाली किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

मेट्रो एंकर

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर जागरूकता की अनूठी पहल

महिलाओं-बालिकाओं को वितरित किए सेनेटरी पैड्स

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर काया जनकल्याण समिति एवं काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो द्वारा रानी अवंति बाई वार्ड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में विशेष जागरूकता एवं स्वास्थ्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, किशोरियों एवं बालिकाओं ने भाग लेकर माहवारी स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता संस्था की फाउंडर एवं इंटरनेशनल योग मास्टर इंदु सिंह ने महिलाओं और किशोरियों को माहवारी के दौरान अपनाई जाने वाली स्वच्छता, सावधानियों और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक बातों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माहवारी महिलाओं के जीवन की एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है, जिसे लेकर समाज में फैली झिझक और भ्रांतियों को दूर करना बेहद जरूरी है। स्वच्छता का अभाव कई गंभीर

बीमारियों और संक्रमण का कारण बन सकता है, इसलिए इस विषय पर जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि पीरियड्स के दौरान होने वाली शारीरिक परेशानियों, दर्द और मानसिक तनाव को योग एवं संतुलित दिनचर्या के माध्यम से काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इस दौरान महिलाओं को कुछ सरल योग अभ्यासों की जानकारी भी दी गई, जिससे वे अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रख सकें। जागरूकता सत्र के उपरांत समिति द्वारा सभी उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को निःशुल्क सेनेटरी पैड्स वितरित किए गए। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 'मेंस्ट्रूपीडिया कॉमिक्स' रही, जिसके माध्यम से किशोरियों को माहवारी से जुड़ी जानकारियां रोचक एवं सहज तरीके से समझाई गईं। संस्था ने बताया कि इस प्रकार की शैक्षणिक सामग्री बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और सामाजिक झिझक कम करने में मददगार साबित होती है। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सोनाली साहू, अनिता चौरसिया, एएनएम रोशनी पटेल, आशा, प्रीति साहू, नीता मांझी सहित वार्ड की अनेक महिलाओं एवं बालिकाओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मधु शर्मा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में समिति ने महिला स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े जागरूकता अभियानों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

टॉस की जीत और कप्तान की सोच

आईपीएल 2026 अब अपने आखिरी पायदान पर पहुंच गया है।बेंगलुरु के खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की करने के बाद राजस्थान और गुजरात के बीच होने वाले मैच के बाद दूसरी फाइनलिस्ट टीम तय हो जायेगी।टॉप 4 के बीच खिताबी राउंड के लिए खेले गये दोनों मुकाबले एकतरफा अंदाज में हुए।पहले क्वालीफायर में हुई भिड़ंत में बेंगलुरु ने गुजरात के खिलाफ 92 रनों की बडी जीत हासिल की,जबकि एलिमिनेटर मैच के करो या मरो वाले बड़े मुकाबले में राजस्थान ने दमदार हैदराबाद को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता ही दिखा दिया।अगर हम बात दोनों ही मुकाबलों की करें तो फिर इन मैचों में भी बल्लेबाजों का ही बोलबाला पूरे आईपीएल जैसा ही देखने को मिला।पहले मैच में जहां बेंगलुरु के रजत पाटीदार ने गेंदबाजों की बखिया उधेड़ कर रख दी,वहीं एलिमिनेटर मुकाबले में तो युवा सूर्यवंशी ने सभी विपक्षी गेंदबाजों को घुटनों पर ला कर खड़ा कर दिया।दोनों ही मैचों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज(कमिंस, रबाडा,राशिद खान)की वह धुनाई हुई जिसकी कल्पना इन गेंदबाजों ने भी न की होगी।दिलचस्प बात यह है कि इनकी इस तरह की पिटाई करने वाले कोई भी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के बल्लेबाज नहीं थे।दोनों ही बल्लेबाजों के 30 गेंदों की पारी में स्ट्राइक रेट 300 से अधिक होने की वजह स्कोर बोर्ड पर इतने बड़े स्कोर लग गये जिसके दवाब में मौजूदा आईपीएल का बेहद ताकतवर बल्लेबाजी क्रम भी लड़खड़ा गया।मतलब साफ है कि इतने मजबूत बल्लेबाजी क्रम ढहने की वजह विपक्षी गेंदबाजी से कहीं अधिक स्कोरबोर्ड प्रेशर नजर आया।मजेदार बात यह है कि दोनों ही बड़े मुकाबलों में टॉस जीतने वाले कप्तान ने मैच में चेस करना बेहतर समझा।वैसे दिलचस्प बात यह भी है कि टॉस हारने वाले कप्तानों का नजरिया भी टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का विकल्प चुनने का इरादा उन्होंने टॉस के बाद दिए बयान में जाहिर किया था।ऐसा लगता है कि दोनों ही मैचों के विजयी कप्तान का टॉस हारना उनके लिए शुभकर साबित हुआ।वजह बिल्कुल साफ है कि पहले बल्लेबाजी करते हुए जो स्कोर उनके बल्लेबाजों ने स्कोरबोर्ड पर टांग दिया उसका बचाव उनके गेंदबाजों ने आसानी से कर लिया।सही मायने में दोनों मैच के नतीजे में स्कोरबोर्ड प्रेशर का किरदार नकारा नहीं जा सकता है।मेरे नजरिये में दोनों ही मैचों में कप्तानों का टॉस जीतकर गेंदबाजी चयन का फैसला उनके लिए घातक साबित हुआ।वैसे अगर हम पूरे आईपीएल 2026 पर नजर डालें तो फिर लीग चरण के 70 मैचों में से 42 मुकाबलों में चेस करने वाली टीम ने जीत हासिल की जबकि 26 मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं।वहीं एक मुकाबला बारिश की वजह से जबकि एक भिड़ंत का फैसला सुपर ओवर से प्रभावित रहा। हम ऐसा भी कह सकते हैं कि एक तरह से 60 फीसदी मुकाबलों में चेस करने वाली टीम की जीत ने ही शायद टॉप 4 के इन मैचों में पहले गेंदबाजी का चयन एक बड़ी वजह हो सकती है।लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिरकार इतने तजुर्बेकार खिलाड़ी और उनके रणनीतिकार का नजरिया क्या सिर्फ पिच ओस और उनकी मजबूत बल्लेबाजी को देखकर किया जाता है।क्या वाकई उनके जहन में स्कोरबोर्ड प्रैशर के कोई मायने नहीं रहते हैं।सवाल बेहद पेचीदा है लेकिन हालफिलहाल के दो बड़े मुकाबले तो ऐसा ही इशारा करते हैं कि युवा या फिर अनुभवी बल्लेबाजी क्रम कितना भी मजबूत क्यों न हो।अगर वाकई उनकी असली परीक्षा लेना है तो उनको बाद में ही बल्लेबाजी का मौका देना होगा। सच तो यह है कि लीग चरण और करो या मरो मुकाबलों के दांव-पेंच थोड़े अलग हो जाते हैं,जिसमें एक चूक भारी पड़ जाती है।खैर क्रिकेट इस इस खेल में अगर मगर के कोई मायने नहीं होते हैं और वहीं जब मुकाबले आईपीएल के हों तो फिर उनका अनुमान,आकलन व गणित और भी अधिक पेचीदा कहे जा सकते हैं।अब जबकि मौजूदा आईपीएल के मात्र 2 मुकाबले बाकी हैं जिसमे एक सेमीफाइनल जो कि गुजरात बनाम राजस्थान होगा,जबकि उसके बाद टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला यानी अहमदाबाद में खेला जायेगा।दोनों ही मैचों में एक बात तो तय है कि चूंकि पूरे आईपीएल में पिचें बल्लेबाजी के अनुकूल बनायी गयी हैं,ऐसे में इन मुकाबलों में भी दर्शकों को धमाकेदार बल्लेबाजी का भरपूर नजारा देखने को मिलेगा।बस देखना यही दिलचस्प रहेगा कि पिछले 2 मैचों में टॉस की जीत को हार में बदलने वाले फैसले को लेकर बचे हुए 2 बड़े मुकाबलों में कप्तानों की सोच में कोई बदलाव आता है या नहीं।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

जीटी के खिलाफ 9 छक्कों और चौंको से सजी थी पारी

मिडिल ओवर्स का सबसे खतरनाक बल्लेबाज टीम इंडिया ने रजत पाटीदार को लिया हल्के में!

नई दिल्ली , एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटन्स को 92 रनों से रौंदकर आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बना ली, लेकिन इस जीत की सबसे बड़ी कहानी कप्तान रजत पाटीदार की विस्फोटक बल्लेबाजी रही। पाटीदार ने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 93 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया, 9 छक्कों और 5 चौकों से सजी उनकी पारी सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि उस खास हुनर की झलक भी थी, जो उन्हें बाकी बल्लेबाजों से अलग बनाता है- गेंद की लेंथ को बेहद जल्दी पढ़ लेने की क्षमता। 32 साल के रजत पाटीदार की प्रतिभा का भारतीय क्रिकेट में अभी तक उतना इस्तेमाल नहीं हुआ है, जितना होना चाहिए था। उनकी खासियत सिर्फ बड़े शॉट लगाना नहीं, बल्कि गेंद की लेंथ को बहुत जल्दी पढ़ लेना है। यही वजह है कि अच्छे से अच्छे गेंदबाज की अच्छी गेंद भी उनके सामने साधारण नजर आने लगती है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ क्वालिफायर-1 में खेली गई पारी इस हुनर का बेहतरीन उदाहरण थी। आईपीएल 2026 छक्कों का सीजन रहा है। टूर्नामेंट में छक्कों के रिकॉर्ड टूट रहे हैं और लगभग हर मैच में गेंद दर्शकों के बीच पहुंच रही है। ऐसे समय में किसी एक शॉट का अलग पहचान बना लेना आसान नहीं होता। लेकिन धर्मशाला में कगिसो रबाडा की गेंद पर पाटीदार ने जो छक्का लगाया, वह सिर्फ एक शॉट नहीं था, बल्कि उनकी बल्लेबाजी का सार था। ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ गेंद। अधिकांश बल्लेबाज उसे कवर के रास्ते चौके के लिए खेलते। पाटीदार ने लगभग बिना अतिरिक्त ताकत लगाए, सिर्फ बैलेंस, टाइमिंग और हाथों की गति के दम पर गेंद को कवर के ऊपर से स्टैंड में पहुंचा दिया। विराट कोहली की प्रतिक्रिया बता रही थी कि उन्होंने भी कुछ असाधारण देखा है।

ताकत से नहीं टाइमिंग से खेलते हैं बड़े शॉट

असल में पाटीदार की बल्लेबाजी की खूबसूरती यहीं छिपी है। वह गेंद को दूसरों से पहले पढ़ लेते हैं। बल्लेबाजी में अक्सर कहा जाता है कि महान खिलाड़ियों के पास दूसरों की तुलना में ज्यादा समय होता है। हकीकत में समय सबके पास बराबर होता है, फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ खिलाड़ी गेंद की लेंथ और गति को इतनी जल्दी पहचान लेते हैं कि उन्हें निर्णय लेने के लिए अतिरिक्त क्षण मिल जाता है। पाटीदार उसी श्रेणी के बल्लेबाज हैं। यही कारण है कि उनके कई बड़े शॉट ताकत के नहीं, टाइमिंग के शॉट लगते हैं। देखने वाले को लगता है कि उन्होंने विशेष प्रयास नहीं किया, लेकिन गेंद स्टैंड में पहुंच चुकी होती है। धर्मशाला में रबाडा के खिलाफ लगाया गया छक्का इसी कला का सबसे सुंदर उदाहरण था। दिलचस्प बात यह है कि उनकी यह पारी शुरुआत से इतनी सहज नहीं थी। धर्मशाला की पिच में दरारें थीं, उछाल असमान था और गेंद कभी रुककर तो कभी फिसलकर आ रही थी। पावरप्ले के बाद आरसीबी की रनगति भी धीमी पड़ गई थी। सातवें से 13वें ओवर के बीच बल्लेबाजों को खुलकर खेलने में मुश्किल हो रही थी। पाटीदार भी संघर्ष कर रहे थे। 14वें ओवर में उन्होंने गुजरात टाइटन्स को दो मौके दिए। एक बार गेंद हवा में गई और दूसरी बार डीप स्क्वायर लेग पर कैच का मौका बना। उस समय तक उनकी पारी में लय कम और संघर्ष ज्यादा दिखाई दे रहा था। लेकिन बड़े बल्लेबाजों की पहचान यही होती है कि वे खराब शुरुआत को भी मैच बदलने वाली पारी में बदल देते हैं।

रन ही नहीं, बदली मैच की गति भी

जैसे ही पाटीदार ने परिस्थितियों को पूरी तरह समझा, उन्होंने गियर बदल दिया। अगले कुछ ओवरों में उन्होंने गुजरात के गेंदबाजों पर ऐसा हमला बोला कि मैच का संतुलन पूरी तरह आरसीबी की तरफ झुक गया। उन्होंने सिर्फ रन नहीं बनाए, बल्कि मैच की गति बदल दी। यहीं से एक बड़ा सवाल पैदा होता है- क्या भारतीय क्रिकेट ने उनकी प्रतिभा का पूरा इस्तेमाल किया है?
2024 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले मध्य प्रदेश के रजत पाटीदार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब तक सिर्फ तीन टेस्ट और एक वनडे तक सीमित रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में उन्हें मौका मिला, जबकि दिसंबर 2023 में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना एकमात्र वनडे खेला था। तब से वह टीम इंडिया से बाहर हैं, जबकि घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचते रहे हैं। टीम इंडिया पिछले कुछ वर्षों से मिडिल ओवर्स में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की तलाश में रही है। ऐसे बल्लेबाज जो स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ तुरंत दबाव बना सकें। पाटीदार का खेल इसी भूमिका के लिए बना हुआ दिखता है। वह उन खिलाड़ियों में नहीं हैं जो 40 गेंद खेलकर सेट होते हैं। वह मैच में आते हैं और कुछ ही मिनटों में गेंदबाजों की योजनाएं बदलने पर मजबूर कर देते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे कठिन काम पावरप्ले के बाद रनरेट को ऊंचा बनाए रखना होता है। फील्ड फैल जाती है, बाउंड्री के विकल्प कम हो जाते हैं और गेंदबाजों को अधिक सुरक्षा मिल जाती है।

फ्रेंच ओपन 2026: जानिक सिनर का तूफानी आगाज, इतिहास रचने की ओर बढ़ाए कदम

पेरिस, एजेंसी

पेरिस। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जानिक सिनर ने एक बार फिर साबित किया कि वह मौजूदा दौर के सबसे स्थिर और खतरनाक खिलाड़ियों में क्यों गिने जाते हैं। फ्रेंच ओपन 2026 के पहले राउंड में उन्होंने फ्रेंच वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी क्लेमेंट टैबुर को सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर शानदार शुरुआत की। लाल बजरी क्ले कोर्ट पर यह उनकी लगातार बढ़ती पकड़ का संकेत था, जहां उन्होंने पूरे मैच में आक्रामक और नियंत्रित खेल का संतुलन बनाए रखा।

इस जीत के साथ सिनर ने इस सदी के उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों की सूची में जगह बना ली है जिन्होंने लगातार 30 या उससे अधिक मैच जीते हैं। इस प्रतिष्ठित सूची में पहले से ही रोजर फेडरर और राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे दिग्गज शामिल हैं। यह आंकड़ा केवल उनकी जीत नहीं बल्कि उनकी निरंतरता और मानसिक मजबूती को भी दर्शाता है।

हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने वैभव सूर्यवंशी को सराहा

बोले- उनके खिलाफ ज्यादा विकल्प नहीं होते

धर्मशाला। राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस को भी अपना मुरीद बना लिया है। वैभव ने बुधवार को आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों पर 97 रनों की दमदार पारी खेली जिससे राजस्थान ने जीत दर्ज कर क्वालिफायर-2 में जगह बना ली। इस मैच में वैभव के पास आईपीएल का सबसे तेज शतक लगाने का मौका था, लेकिन वह इससे चूक गए। हालांकि, कमिंस ने इस बल्लेबाज का लोहा माना और उनकी जमकर सराहना की।

सबसे तेज शतक लगाने से चूक गए थे वैभव

राजस्थान के लिए पारी की शुरुआत करने वाले वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 29 गेंदों पर 12 छक्कों और पांच चौकों की मदद से 97 रन की पारी खेली। वैभव के नाम आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक दर्ज होते-होते रह गया। वैभव के दम पर ही राजस्थान की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 243 रन बनाने में सफल रही, जबकि हैदराबाद की टीम 19.2 ओवर में 196 रन पर ऑलआउट हो गई। कमिंस ने रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा, वह काफी अच्छा खेला। पिच बहुत अच्छी थी, लेकिन गलती की गुंजाइश काफी कम होती है। आप यॉर्कर से चूक जाते हैं, लेकिन वह नहीं चूकता। विकेट काफी अच्छा था। हमारी टीम हर लिहाज से बहुत संतुलित है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

ऐश्वर्या राय-आलिया नहीं कान्स में चमके दीपक तिजोरी, जीता बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड

90 के दशक के जाने-माने बॉलीवुड एक्टर दीपक तिजोरी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बड़ी कामयाबी अपने नाम की है। फ्रांस में चल रहे फ्रेंच रिवेरा फिल्म फेस्टिवल (कान्स) में दीपक तिजोरी को बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड से नवाजा गया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान डायरेक्टर जो राजन के डायरेक्शन में बनी अंग्रेजी शॉर्ट फिल्म Echoes Of Us में उनकी बेहतरीन और दमदार एक्टिंग के लिए मिला है। अब कमर्शियल बॉलीवुड सिनेमा से अलग हटकर इंडिपेंडेंट और अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा रहे दीपक तिजोरी के करियर के लिए यह अवॉर्ड एक बहुत बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। दीपक तिजोरी के इस सफर में सबसे दिलचस्प बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह उनका पहला अवॉर्ड नहीं है। सामने आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, किसी अंग्रेजी भाषा की शॉर्ट फिल्म के लिए दीपक तिजोरी का यह कुल 21वां बेस्ट एक्टर अवॉर्ड है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने लगातार ऐसे प्रोजेक्ट्स और इंटरनेशनल डायरेक्टर्स के साथ काम करना चुना है, जो लीक से बिल्कुल हटकर हों। यही वजह है कि आज ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल सर्किट में उन्होंने बतौर कलाकार अपनी एक बेहद मजबूत और अलग पहचान बना ली है। शॉर्ट फिल्म Echoes Of Us सिर्फ दीपक तिजोरी के अवॉर्ड की वजह से ही नहीं, बल्कि अपनी अनोखी कहानी के लिए भी चर्चा में है। इस फिल्म ने अमेरिका और यूरोप के कई बड़े अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में पहले ही काफी धूम मचा रखी है। खास बात यह है कि इस शॉर्ट फिल्म के जरिए यूलिया वंतूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में अपना पहला कदम रखा है।

ब्लैक और गोल्डन ब्लेजर में बिखेरा जलवा

कान्स में सिर्फ अवॉर्ड जीतना ही नहीं, बल्कि दीपक तिजोरी का अंदाज भी वहां मौजूद हर शख्स के आकर्षण का केंद्र बन गया. वह वहां आयोजित Carlton Cannes Fashion Event में मशहूर डिजाइनर इशिका जैन के शोस्टॉपर के रूप में रैंप पर उतरे. ब्लैक और गोल्डन कलर के शानदार ब्लेज़र में दीपक बेहद हैंडसम लग रहे थे. बता दें कि दीपक तिजोरी ने 1990 के दशक में आशिकी, कभी हां कभी ना और जो जीता वही सिकंदर जैसी कई सुपरहिट हिंदी फिल्मों में काम किया है. इसके अलावा शाहरुख खान की अंजाम में भी उन्होंने अपने रोल से लोगों का दिल जीता है.

कुमार सानू के लाईव कॉन्सर्ट में मर्यादा भूली पाक हसीना, पति संग हुई रोमांटिक

एक्ट्रेस, होस्ट और मॉडल फिजा अली पाकिस्तानी सिनेमा की कंट्रोवर्शियल क्वीन हैं। फिजा अक्सर ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अब भारतीय दिग्गज सिंगर कुमार सानू के लाइव कॉन्सर्ट में पति के सामने कमर मटकाने पर फिजा को लोग खरी-खोटी सुना रहे हैं। दरअसल, एक्ट्रेस फिजा अली ने हाल ही में लंदन में कुमार सानू का लाइव कॉन्सर्ट अपने दूसरे पति संग अटेंड किया। भीड़ से भरे खचाखच स्टेडियम में फिजा अली, कुमार सानू के हिट बॉलीवुड गानों पर खुशी से झूमती नजर आईं। कुमार सानू के गानों की धुन पर फिजा पहले तो पति के सामने खड़े होकर कमर मटकार डांस करने लगीं और फिर पति संग ऑडिटोरियम में ही रोमांटिक हो गईं। कॉन्सर्ट से वायरल वीडियो में फिजा, कुमार सानू के रोमांटिक गाने पर ऑडिटोरियम में पति संग इंटीमेट होती नजर आईं। वो पति को बांहों में लेकर रोमांस करने लगीं। फिजा सिंगर कुमार सानू के गानों में इतना खो गईं कि वो ये भूल गईं कि वो हजारों लोगों के बीच मौजूद हैं। लाइव कॉन्सर्ट से फिजा अली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई वीडियोज शेयर किए हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। कॉन्सर्ट में लोगों की भीड़ के बीच कमर मटकाने और पति संग रोमांटिक होने पर पाकिस्तान के लोग फिजा अली को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- ये घटिया हरकत है। दूसरे यूजर ने लिखा- लोग बुढ़ापे में मैच्योर होते हैं और ये चीप हो रही है। अन्य यूजर ने लिखा- एकदम छपरी हरकतें हैं। किसी ने लिखा-शर्म करो। फिजा अली अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने दो शादियां की हैं। फिजा अली की पहली शादी फवाद फारूक से साल 2007 में हुई थी। लेकिन 2017 में उनका तलाक हो गया था।

मेट्रो बाजार

हॉर्मुज स्ट्रेट खुलने के बाद भी उच्च स्तर पर रहेगी इनपुट लागत, खुदरा महंगाई भी ऊपर जाने का अनुमान: रिपोर्ट

नई दिल्ली । हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने के बाद इनपुट लागत इस साल उच्च स्तर पर रहने की उम्मीद है। इसके कारण मैन्युफैक्चरर्स को उच्च लागत का सामना करना पड़ेगा। यह जानकारी क्रिसिल की ओर से बुधवार को दी गई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि राहत की बात यह है कि घरेलू बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे लागत को ग्राहकों को पास किया जा सकता है। हालांकि, खुदरा महंगाई आने वाले महीनों में उच्च स्तर बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, महंगाई का दबाव सबसे पहले थोक मूल्य सूचकांक प्रतिबिंबित करेगा, लेकिन बढ़ती इनपुट लागत का असर जल्द ही उपभोक्ता कीमतों पर भी दिखने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष 2026 में, थोक महंगाई दर मात्र 0.7 प्रतिशत थी, जबकि गैर-खाद्य खाद्य पदार्थों में यह 1.1 प्रतिशत थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग में उपयोग होने वाली कुछ महत्वपूर्ण सामग्रियों की कीमतों पर पिछले वित्तीय वर्ष में भी दबाव बना रहा। वित्त वर्ष 2026 में तांबे की कीमतों में औसतन 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एल्युमीनियम की कीमतों में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दोनों ही वृद्धियां क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत के अपने दशकीय महंगाई के औसत से अधिक रहीं। रिपोर्ट में बताया गया है कि क्लस्टर किए गए डब्ल्यूपीआई श्रेणियों के आधार पर, अप्रैल में तांबे की कीमतों में 17.3 प्रतिशत, एल्युमीनियम में 20.6 प्रतिशत, कच्चे तेल से संबंधित कीमतों में 49.3 प्रतिशत और गैस से संबंधित कीमतों में 19.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एचडीएफसी बैंक ने 45 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता के आरोपों को खारिज किया

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने बुधवार को उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया, जिसमें 45 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितताओं का दावा किया गया था। साथ ही कहा कि गड़बड़ी को लेकर लगाए जा रहे कयास केवल चुनिंदा तथ्यों पर आधारित हैं और बैंक सभी मुद्दों को आंतरिक रूप से स्थापित प्रोसेस के जरिए संभालता है। एचडीएफसी बैंक ने दावा किया कि वह मजबूत आंतरिक निरीक्षण, लेखापरीक्षा और नियंत्रण प्रक्रियाओं का पालन करता है।

एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने कहा, ÷हम चुनिंदा तथ्यों के आधार पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को पूरी तरह से खारिज करते हैं। सभी मामलों को स्थापित मानदंडों के अनुसार निपटाया जाता है और किसी भी आंतरिक समीक्षा के बाद अंतिम निर्णय लेने से पहले पूरी प्रक्रिया का पालन किया जाता है।÷ यह स्पष्टीकरण उस रिपोर्ट के बाद सामने आया है, जिसमें दावा किया गया था कि एचडीएफसी बैंक की ऑडिट कमेटी ऑफ द बोर्ड (एसीबी) ने 12 मार्च को वित्त वर्ष 2024 और 2025 के दौरान महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमएसआरडीसी) को किए गए 45 करोड़ रुपए के भुगतान की औपचारिक आंतरिक सतर्कता जांच का आदेश दिया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ये भुगतान कथित तौर पर एमएसआरडीसी द्वारा बैंक में जमा की गई राशि पर दिए जाने वाले अलग-अलग ब्याज दरों से जुड़े थे। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार की एजेंसी को ब्याज भुगतान के रूप में सीधे जमा किए जाने के बजाय, धनराशि कथित तौर पर बैंक के मार्केटिंग डिपार्टमेंट के माध्यम से भेजी गई और चार स्थानीय विक्रेताओं के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में योगदान के रूप में दिखाई गई।

50 एकड़ में पलेंगी मछलियां: प्रदेश का पहला इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क

खंडवा। प्रदेश का पहला इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क जिले में खालवा ब्लॉक के रोशनी गांव में बनाया गया है। 50 एकड़ में बनाए इस पार्क में मछली के बीज शेड के नीचे 14 बायोफ्लॉक में छोड़े जाएंगे। 6 से 8 माह के भीतर बंगाल से लाई गई तलपिया नस्ल की मछली एक से सवा किलो वजन की हो जाएगी।

नीति आयोग और शासन की 10 अलग-अलग योजनाओं के संगम से खालवा ब्लॉक के रोशनी गांव में यह 'इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क' बनाया गया है। इस हाईटेक पार्क का संचालन 16 आदिवासी महिला स्व-सहायता समूहों की 160 सदस्यों द्वारा किया जाएगा।

अगले 8-10 महीनों में यहां हर महीने 30 टन और साल में करीब 360 टन मछली उत्पादन के साथ हर माह करीब 30 लाख और सलाना 3.60 करोड़ रुपए के टर्नओवर का लक्ष्य है, जो क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल देगा।

क्या है इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क?

इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क में मछलियों के पालने के लिए शेड के नीचे 14 बायोफ्लॉक टैंक का निर्माण किया है। यहां मछली के बीज छोड़े जाएंगे । मछली के बच्चों का साइज बड़ा होने पर उन्हें ग्रेडिंग कर रिवर्स एक्वा सिस्टम टैंक में डाला जाएगा। यहां से बायोफ्लॉक पांड में छोड़ा जाएगा। मछलियों का साइज बढ़ने पर उन्हें 1200 क्यूबिक मी. क्षमता के आवंलिया डेम के बैकवॉटर में डाले गए 120 आधुनिक केज में छोड़ा जाएगा

न्यूज विंडो

कनाडा में गुजराती छात्रा की हत्या, लूट का विरोध करने पर चाकू से हमला

ओटावा। काम और पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले भारतीयों पर हमले और हत्या की घटनाएं अक्सर सामने आ रही हैं। फिर कनाडा में लूट के इरादे से एक भारतीय लड़की की हत्या कर दी गई है।मिली जानकारी के मुताबिक, गुजरात के आनंद जिले के बोरसद की रहने वाली विधि कल्पेशकुमार मेघा नाम की लड़की 4 साल पहले कनाडा गई थी। जहां वह नियाग्रा में पढ़ाई कर रही थी।नियाग्रा में पढ़ाई के साथ-साथ वह वर्क परमिट की तैयारी भी कर रही थी। फिर 15 मई को 22 साल की विधि अपने घर से बाहर जा रही थी। ऐसे में लूट के इरादे से एक आदमी ने लड़की पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। जिससे लड़की लहूलुहान हालत में वहीं फंस गई। चूंकि यह घटना पब्लिक जगह पर हुई थी, इसलिए लोग हैरान रह गए।स्थानीय लोग लड़की को तुरंत अस्पताल ले गए। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने लड़की को मृत घोषित कर दिया। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद कनाडाई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। विदेश में रहने वाले भारतीयों पर हमलों की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं।

मणिपुर के उग्रवादी संगठन का मास्टरमाइंड दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी के लीडर को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादी कमांडर का नाम हाओबिजम दिलीप सिंह है। ये उग्रवादी दिल्ली में एक गोपनीय मीटिंग करने आया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, मणिपुर पुलिस और सेंट्रल एजेंसी के जॉइंट ऑपरेशन के बाद इसकी गिरफ्तारी हुई है। वान्टेड उग्रवादी से पूछताछ के बाद हुई हथियार, गोला-बारूद की बड़ी बरामदगी हुई है।

सुरक्षा एजेंसियों ने देश में और खास मणिपुर में बड़ी तबाही का प्लान फेल कर दिया है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी पर करीब 12 से ज़्यादा केस दर्ज हैं। दिल्ली में एक बड़े उग्रवादी लीडर के आने के क्या मायने थे इसको लेकर सेंट्रल एजेंसिया जांच कर रही हैं। इस बात की जांच चल रही है कि क्या दिल्ली भी टारगेट पर थी।

घाघरा नदी में नहाते समय पांच दोस्त डूबे, एक की मौत, दो लापता

बहराइच। हरदी इलाके के कोढ़वा मुंसारी गांव स्थित घाघरा नदी में नहाते समय पांच दोस्त डूब गए। दो को ग्रामीणों ने बचा लिया, जबकि तीन धारा में लापता हो गए। इनमें से एक का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने गोताखोरों की मदद से लापता युवकों की तलाश शुरू कराई है। एनडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया गया है। देहात कोतवाली के टिकोरा मोड़ निवासी 22 वर्षीय गोलू जायसवाल, गांव निवासी 19 वर्षीय सूरज जायसवाल, माधव रेती सरस्वती नगर निवासी 20 वर्षीय राजकुमार व हरदी थाना के दहाव गांव निवासी 25 वर्षीय मोहित यादव बौंडी इलाके के मुरौवा निवासी 22 वर्षीय शिवम सिंह के साथ घाघरा नदी के किनारे घूमने गए थे। गर्मी अधिक होने के चलते कोढ़वा मुंसारी गांव के निकट सभी दोस्त नदी में नहाने लगे। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से सभी डूबने लगे। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। किसी तरह ग्रामीणों ने राजकुमार व शिवम सिंह को बचा लिया। गोलू, सूरज व मोहित धारा में लापता हो गए। सूचना पाकर थानाध्यक्ष आलोक सिंह हमराही पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से लापता युवकों की तलाश शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने गोलू का शव बाहर निकाला। अन्य दो की तलाश जारी है। सूचना पाकर परिवारजन मौके पर पहुंचे।

आसमान से बरस रही आग

नौतपा की आग में झुलसा उत्तर भारत अब पश्चिमी विक्षोभ से राहत की आस

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। नौतपा के दौरान आसमान से बरस रही आग ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। सुबह होते ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर शुरू हो जा रहा है। राजस्थान से लेकर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और मध्य प्रदेश तक कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच चुका है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में बुधवार को देश का सबसे अधिक तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि यूपी का बांदा 47.8 डिग्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा। मौसम विभाग ने हालांकि आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद जताई है। नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कई राज्यों में बारिश, तेज हवाएं और तापमान में गिरावट की संभावना बनी है।

मौसम विभाग ने बताया है कि आज से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से शुक्रवार से उत्तर भारत के कई हिस्सों में मौसम बदल सकता है। गरज-चमक के साथ हल्की बारिश, धूल भरी आंधी और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह राहत अस्थायी होगी और जून की शुरुआत में गर्मी फिर तेज हो सकती है। फिलहाल लोगों को अगले दो से तीन दिनों तक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

आखिर क्यों और खतरनाक हो गई है इस बार की गर्मी

जब तापमान 45 डिग्री से ऊपर पहुंच जाता है तो उसे लू की श्रेणी में रखा जाता है, जबकि 47 डिग्री से अधिक तापमान को भीषण लू माना जाता है। इस समय उत्तर भारत के कई हिस्से इसी स्थिति से गुजर रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और चंडीगढ़ में तापमान 44 से 46 डिग्री के बीच बना हुआ है। गर्म हवाओं और तेज धूप के कारण दोपहर में सड़कें सुनसान दिखने लगी हैं।

प्रधानमंत्री ने दिया सतर्क रहने का संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भीषण गर्मी और लू की स्थिति पर चिंता जताते हुए सभी मंत्रालयों और राज्य सरकारों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी चुनौती से निपटने के लिए पूरे देश को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य और जलशक्ति मंत्रालय को खास तौर पर मुस्तैद रहने को कहा, ताकि लू से प्रभावित लोगों को तुरंत इलाज और पानी उपलब्ध कराया जा सके। प्रधानमंत्री ने लोगों से भी अपील की कि वे बिना जरूरत तेज धूप में बाहर न निकलें और पर्याप्त मात्रा में पानी तथा तरल पदार्थों का सेवन करें।

इसरो को मिली बड़ी सफलता

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सतह के नीचे बर्फ के संकेत

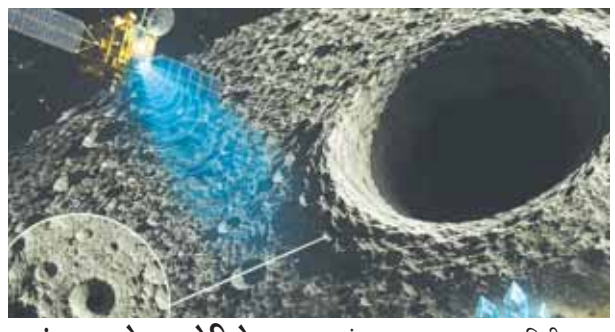

» चंद्रयान-2 के रडार से मिले डाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के चंद्र मिशन चंद्रयान-2 ने चंद्रमा को लेकर एक बड़ी वैज्ञानिक खोज की है। वैज्ञानिकों को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास मौजूद कुछ गहरे क्रेटरों के नीचे पानी की बर्फ होने के मजबूत संकेत मिले हैं। यह खोज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिले डेटा के आधार पर की गई है।

यह अध्ययन अहमदाबाद की फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने किया। उन्होंने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद उन क्रेटरों का अध्ययन किया, जहां कभी सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। इन जगहों को परमानेंटली शैडोड रीजन यानी हमेशा छाया में रहने वाला क्षेत्र कहा जाता है। यहां तापमान माइनस 248 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिससे बर्फ लंबे समय तक सुरक्षित रह सकती है। इस खोज में चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर में लगे ड्यूल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार का इस्तेमाल किया गया।यह खास रडार चंद्रमा की सतह और उसके नीचे की परतों का अध्ययन करने में सक्षम है।वैज्ञानिकों ने रडार से मिले संकेतों का विश्लेषण कर चार ऐसे क्रेटरों की पहचान की, जहां सतह के नीचे बर्फ होने की संभावना सबसे ज्यादा है।शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक का इस्तेमाल किया, जिससे यह पता लगाने में मदद मिली कि रडार संकेत चट्टानों से आ रहे हैं या बर्फ से। इसके लिए वृत्ताकार ध्रुवीकरण अनुपात (सीपीआर) और ध्रुवीकरण की डिग्री (डीओपी) नाम के दो पैरामीटर का इस्तेमाल किया गया।

नीले ड्रम में फिर मिली लाश तीन दिन से लापता थी महिला

पटियाला, एजेंसी

पटियाला की रेलवे कॉलोनी इलाके में सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब डीसीडब्ल्यू पुल के पास कूड़े के ढेर में पड़े नीले ड्रम से एक युवती का शव बरामद हुआ। पुलिस ने मृतका की पहचान 20 वर्षीय नेहा पुत्री संत लाल निवासी गोपाल कॉलोनी के रूप में की है।

नेहा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की रहने वाली थी और पिछले कुछ समय से परिवार के साथ पटियाला में रह रही थी। पुलिस को आशंका है कि प्रेम संबंधों के चलते युवती की हत्या की गई है। मामले में थाना अर्बन एस्टेट में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या और शव को खुर्द-बुर्द करने की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।नेहा सोमवार से घर से लापता थी। परिवार ने उसके गायब होने की सूचना संबंधित थाने में भी दी थी। पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे कॉलोनी के पास कूड़े के ढेर में एक नीले रंग का ड्रम पड़ा है जिससे बदबू आ रही है। सूचना मिलते ही थाना अर्बन एस्टेट की पुलिस मौके पर पहुंची और ड्रम खोलने पर अंदर युवती का शव मिला।

कल्याण बनर्जी ने मुझे संसद के अंदर गाली दी

टीएमसी सांसद काकोली घोष की लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के भीतर एक नया विवाद सामने आया है। टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर पार्टी के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। काकोली घोष ने आरोप लगाया है कि कल्याण बनर्जी ने लोकसभा के भीतर कई बार उनके साथ मौखिक दुर्व्यवहार किया और महिला विरोधी व्यवहार अपनाया।

लोकसभा स्पीकर से न्याय की मांग की

अपने पत्र में काकोली घोष दस्तीदार ने स्पीकर से न्याय की मांग करते हुए कहा कि उन्हें कल्याण बनर्जी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की अनुमति दी जाए।

उन्होंने लिखा, 'मैं आपसे अनुमति चाहती हूं कि मैं ढ्ढ्रश्वष्ट के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी के खिलाफ न्याय के लिए एक औपचारिक शिकायत दर्ज करा सकूं, जिन्होंने लोकसभा के भीतर बार-बार मेरे साथ मौखिक दुर्व्यवहार किया है।' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह केवल उनके साथ ही नहीं हुआ, बल्कि कई अन्य महिला सांसदों के साथ भी इसी तरह का व्यवहार किया गया है। काकोली घोष ने इसे महिला विरोधी रवैया बताते हुए कहा कि ऐसे आचरण के लिए संबंधित सांसद के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।इस शिकायत के सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। हालांकि, इस मामले पर अभी तक कल्याण बनर्जी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मेट्रो एंकर

जनगणना महारजिस्ट्रार की रिपोर्ट में सामने आए चिंताजनक आंकड़े

देश में हर तीन में एक जान जा रही दिल की बीमारी से

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में बदलती जीवनशैली, तनाव, खराब खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी अब गंभीर स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। जनगणना महारजिस्ट्रार की 'भारत में मृत्यु के कारण 2022-24' रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश में सबसे ज्यादा 32.1 फीसदी मौतें हृदय रोगों के कारण हो रही हैं। यानी हर तीन में से एक व्यक्ति की मौत दिल से जुड़ी बीमारी की वजह से हो रही है। रिपोर्ट ने यह भी दिखाया कि उत्तर भारत में स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर समय रहते रोकथाम और जागरूकता पर काम नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में यह संकट और बड़ा हो सकता है।

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं हृदय रोग के मामले?

रिपोर्ट के अनुसार हृदय रोग देश में मौत का सबसे बड़ा कारण बन चुका है। उत्तर भारत में दिल की बीमारी से मौत का आंकड़ा 35.1 फीसदी तक पहुंच गया है, जबकि मध्य भारत में यह 24.1 फीसदी है। डॉक्टरों का कहना है कि लगातार तनाव, धूम्रपान, शराब, जंक फूड, मोटापा और व्यायाम की कमी इसके बड़े कारण हैं। कम उम्र में भी लोगों में ब्लड प्रेशर और डायबिटीज तेजी से बढ़ रही है, जिसका सीधा असर दिल पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक शहरों के साथ अब गांवों में भी हृदय रोग तेजी से फैल रहे हैं।

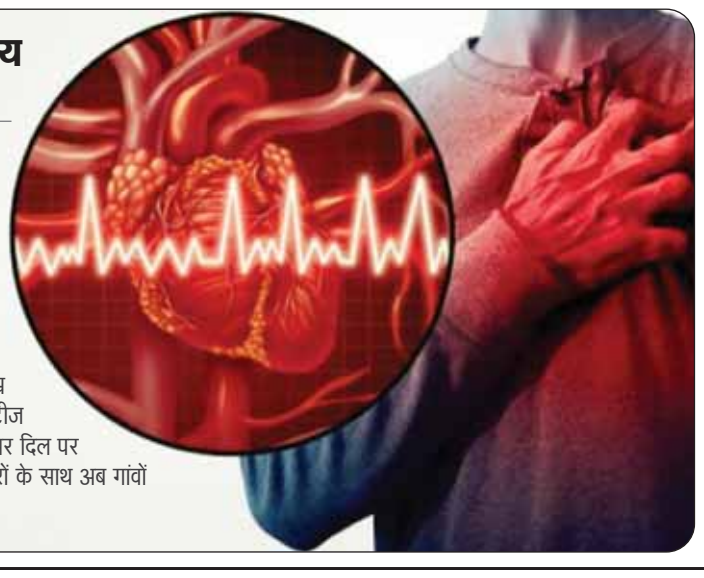

इन बीमारियों से भी हो रही सबसे ज्यादा मौतें

रिपोर्ट में हृदय रोग के बाद कई अन्य गंभीर बीमारियों को भी मौत का बड़ा कारण बताया गया है। श्वसन रोगों से 6 फीसदी, पाचन तंत्र रोगों से 5.9 फीसदी और श्वसन संक्रमण से 5.7 फीसदी मौतें हो रही हैं। मधुमेह यानी डायबिटीज से होने वाली मौतें भी तेजी से बढ़ रही हैं। दक्षिण भारत में डायबिटीज से मौत का आंकड़ा सबसे ज्यादा 4.8 फीसदी दर्ज किया गया है। वहीं अज्ञात बुखार, चोट और जनन-मूत्र संबंधी रोग भी बड़ी वजह बन रहे हैं। रिपोर्ट में तपेदिक यानी टीबी को भी गंभीर खतरा बताया गया है, जिससे कुल 2.6 फीसदी मौतें हो रही हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564